■ श्रावण शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 11 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 02-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैंने कभी धोखा नहीं दिया : चहल
6 मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश
7 सोनाली बेंद्रे ने बताया सफल शादी का राज

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री किसान निधि की आज 20 वीं किस्त जारी करेंगे मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल बनारस में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान निधि की 20 वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी ने शुक्रवार को यहां एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, काशी के मेरे परिवारजनों के लिए कल दो अगस्त का दिन बहुत विशेष है। सुबह करीब 11 बजे शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन और कनेक्टिविटी से जुड़े कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा। इस अवसर पर पीएम-किसान की 20 वीं किस्त जारी करने का भी सौभाग्य मिलेगा।

विमान में एक यात्री ने दूसरे यात्री को मारा थप्पड़

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई से कोलकाता जाने वाले इंडिगो के एक विमान में शुक्रवार को एक यात्री ने दूसरे यात्री को थप्पड़ मार दिया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने बताया कि यह घटना उड़ान संख्या 6ई138 में हुई और विमान के कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरने के बाद आरोपी यात्री को सुरक्षा दल को सौंप दिया गया। सूत्र ने बताया कि विमानन कंपनी ने यात्री को उपद्रवी भी घोषित कर दिया है। इंडिगो ने ज्यादा जानकारी दिए बिना कहा कि कंपनी को अपनी एक उड़ान में हुई मारपीट की घटना की जानकारी है।

मुजफ्फरपुर-साबरमती एक्सप्रेस पटरी से उतरी

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर और टूंडला के बीच शुक्रवार दोपहर मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक ट्रॉली कोच सहित दो डिब्बे लूप लाइन पर पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि इंजन के पांचवे और छठे डिब्बे शाम चार बजकर 20 मिनट पर भाऊपुर यार्ड में पटरी से उतर गए।

उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव नौ को होगा : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नौ सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आयोग के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना सात अगस्त को जारी होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। आयोग ने कहा कि यदि मतदान की जरूरत हुई तो यह नौ सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर स्थित कक्ष संख्या एफ-101, वसुधा में होगा।

सूर्यास्त 02-08-2025	सूर्योदय 03-08-2025
6:46 बजे	6:05 बजे

BSE	NSE
80,599.91	24,565.35
(-585.67)	(-203.00)

सोना	चांदी
10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	116,251 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अगड़े-पिछड़े

कैसे कब तक आ जायेंगे,
सारे पिछड़े सबसे अगड़े।
संभवत: जब तक आएंगे,
होंगे तब अगड़े भी पिछड़े,
अगड़े-पिछड़े के लफड़े में,
होंगे फिर झगड़े ही झगड़े।
इस रगड़े में सबकुछ बिगड़े,
बस नेता दल होंगे तगड़े।।

भविष्य को आकार दें प्रतिभाशाली युवा

देश तकनीकी क्षेत्र में सुपरपावर बनने की राह पर : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके विशाल मानव संसाधन हैं।

रांची/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को देश के प्रतिभाशाली युवाओं से अपनी तकनीकी शिक्षा का उपयोग समाज की भलाई के लिए करने का आह्वान किया और आग्रह किया कि वे अपनी उपलब्धियों को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित ना रखें। झारखंड में धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-भारतीय खनि विद्यापीठ (आईआईटी-आईएसएम) के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते समय राष्ट्रपति ने कहा कि देश तकनीकी क्षेत्र में सुपरपावर बनने की दिशा में अग्रसर है।

इस मौके पर उन्होंने संस्थान पर विशेष लिफाफे सहित एक विशेष डाक टिकट जारी किया जो संस्थान के 100 गौरवशाली वर्षों की याद दिलाएगा।

मुर्मू ने कहा, प्रतिभाशाली युवा मस्तिष्क को भारत के भविष्य को आकार देना चाहिए और सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। एक न्यायपूर्ण भारत, एक हरित भारत के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें जहां विकास पर्यावरण और प्रकृति की कीमत पर ना हो। भविष्य में आप जो भी करें, उसमें आपकी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ आपकी सहानुभूति, उत्कृष्टता और नैतिकता भी झलकनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि केवल नवाचार ही नहीं, बल्कि करुणा से प्रेरित नवाचार दुनिया को बेहतर बनाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत एक तकनीकी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार और 'स्टार्टअप' पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। राष्ट्रपति ने कहा, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके विशाल मानव संसाधन हैं। तकनीकी शिक्षा तक बढ़ती पहुंच और डिजिटल कौशल का प्रसार देश को एक तकनीकी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। भारत की शिक्षा प्रणाली को और अधिक व्यावहारिक, नवाचार-केंद्रित और उद्योग-अनुकूल बनाने से देश के युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा मिलेगी और वे वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ सकेंगे।

'वोट चोरी' में निर्वाचन आयोग शामिल, एटम बम' की तरह है सबूत : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है जो 'एटम बम' की तरह है जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 'वोट चोरी' करा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि 'वोट चोरी' में जो भी शामिल होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने यह आरोप उस दिन लगाया, जब आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी करने के बाद राज्य के लिए मतदाता सूचियों का मसौदा शुक्रवार को प्रकाशित किया।

कांग्रेस के शीर्ष नेता ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मैंने बोला है कि वोट चोरी हो रही है। अब हमारे पास एकदम पुख्ता सबूत हैं कि निर्वाचन आयोग वोट चोरी में शामिल है। मैं हल्के-फुल्के अंदाज में नहीं बोल रहा हूं, मैं 100 प्रतिशत सबूत के साथ बोल रहा हूं। उन्होंने दावा किया, हम जैसे ही यह जारी करेंगे, पूरे देश को पता लग लग जाएगा कि आयोग वोट चोरी करा रहा है और यह भाजपा के लिए करा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, हमें मध्य प्रदेश (विधानसभा चुनाव) में संदेह था, लोकसभा चुनाव में संदेह था, बाद के विधानसभा चुनावों में वोटर जोड़े गए... इसके बाद हमने अपनी जांच शुरू की। इसमें छह महीने लगे। जो हमें मिला है वो एटम बम है, जब फटेगा तो निर्वाचन आयोग आपको कहीं नहीं दिखेगा।

राहुल गांधी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, मैं बड़ी गंभीरता से बोल रहा हूं कि निर्वाचन आयोग में जो भी यह काम कर रहे हैं, आपको हम छोड़ेंगे नहीं। आप हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहे हैं, यह राष्ट्रद्रोह है। आप सेवानिवृत्त हो गए हों, या कहीं भी हों, आपको ढूंढ़कर निकालेंगे।

ऊलजलूल आरोप और धमकियों पर उतर आए हैं राहुल : चुनाव आयोग

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह ऊलजलूल आरोप लगा रहे हैं और आयोग तथा उसके कर्मियों को डराने-धमकाने पर उतर आये हैं।

आयोग ने कहा है कि वह रोज रोज लगाए जा रहे ऐसे बेबुनियाद आरोपों को नजरअंदाज करता है तथा धमकियों के बावजूद अपने सभी सभी चुनावकर्मियों से ऐसे बयानों पर ध्यान न देने तथा अपना काम निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से करते रहने के लिए कहता है।

राहुल गाँधी के बयान पर चुनाव अयोग ने कहा कि कांग्रेस नेता गाँधी को गत 12 जून को एक ई-मेल भेज कर आयोग में अपनी बात रखने के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन वह नहीं आये। उसी दिन उनको एक पत्र भी भेजा गया था लेकिन उसका भी उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। आयोग ने कहा है, 'उन्होंने (गाँधी ने) किसी भी मुद्दे पर आयोग को कोई पत्र नहीं भेजा। यह बहुत ही आश्चर्य की बात है कि वह ऊल-जलूल आरोप लगा रहे हैं और यहां तक कि उन्होंने अब आयोग और उसके कर्मियों को धमकियां देना भी शुरू कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस नेता के बयानों को 'निंदनीय' बताया है और अपने कर्मियों से निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से काम करते रहने को कहा है।

संस्कृत को भारत में घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है और इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है और इसे संचार का माध्यम बनाने तथा घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की वकालत की और कहा कि यह ऐसी भाषा है जो ''हमारी भावनाओं (भाव) को विकसित'' करती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस प्राचीन भाषा को जानना चाहिए।

नागपुर में कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। भागवत ने कहा कि संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है और इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमें अपने दैनिक संवाद में इस भाषा को बोलना सीखना होगा। यह दैनिक संवाद की भाषा बननी चाहिए। मैंने यह भाषा सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस भाषा में संवाद जरूरी है। भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने और 'स्वबल' प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए ''हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ताकत उसका 'स्वत्व' है यानी कि आत्मनिर्भरता द्वारा स्वामित्व की भावना।

मंगलुरु में एक इकाई में अमोनिया रिसाव के बाद 25 से अधिक श्रमिक बीमार पड़े

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु के सूरतकल के पास बैकमपडी औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को एक मछली प्रसंस्करण इकाई में संदिग्ध अमोनिया रिसाव के बाद 25 से अधिक श्रमिक बीमार पड़ गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ऐसी आशंका है कि यह रिसाव फैक्ट्री के रेफ्रिजरेशन सिस्टम से हुआ होगा। कई श्रमिकों ने सांस लेने में तकलीफ और जलन की शिकायत की जिन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया। अधिकतर प्रभावितों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुछ लोग अब भी निगरानी में हैं। मंगलुरु पुलिस, दमकल विभाग और आपातकालीन सेवा ने स्थिति पर काबू पा लिया है। प्राधिकारियों ने रिसाव के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने फैक्ट्री का दौरा कर प्रभावित मजदूरों की हालत की समीक्षा की। प्रारंभिक जांच में किसी की हालत गंभीर नहीं पाई गई है।

अमेरिका ने शुल्क दरों का ब्यौरा जारी किया

■ भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क की पुष्टि

■ शासकीय आदेश में रूसी सैन्य उपकरण और ऊर्जा की खरीद के कारण भारत पर लगने वाले ''जुर्माने'' का उल्लेख नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश जारी किया है जिसमें विभिन्न देशों पर लगने वाली शुल्क की दरों का ब्योरा दिया गया है। इसके तहत भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की पुष्टि की गई है।

'जवाबी शुल्क दरों में अतिरिक्त संशोधन' शीर्षक वाले शासकीय आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 70 देशों पर लगाए जाने वाली शुल्क दरों का ब्योरा दिया है।

शासकीय आदेश के अनुसार, भारत पर 25 प्रतिशत ''जवाबी शुल्क'' लगाया जाएगा। हालांकि आदेश में रूसी सैन्य उपकरण और ऊर्जा की खरीद के कारण भारत पर लगने वाले ''जुर्माने'' का उल्लेख नहीं है। भारत पर रूस से खरीद पर जुर्माना लगाने की घोषणा ट्रंप ने पहले की थी।

ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस से खरीद पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने की घोषणा की थी।

शासकीय आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' (एएसपीआई) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व उप अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि वेंडी कटलर ने बयान में कहा कि भारत जिसके साथ ''शीघ्र समझौते होने की उम्मीद है'' उस पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है।

कटलर ने कहा, इससे द्विपक्षीय व्यापार समझौते के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगता है। राष्ट्रपति की भारत के प्रति व्यापार और व्यापक मुद्दों पर नाराजगी उनके 'ट्रुथ सोशल' पर जारी बयान में भी झलकती है।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि यह आदेश पारगमन में मौजूद वस्तुओं तथा सात अगस्त तक अमेरिका भेजे जाने वाले जहाज पर लदे माल के लिए छूट प्रदान करता है।

अमेरिका में पांच अक्टूबर तक उपभोग के लिए स्वीकृत माल पर भी जवाबी शुल्क नहीं लगेगा, जिससे पहले से भेजे जा चुके या इस सप्ताह भेजे जाने वाले माल के निर्यातकों को कुछ राहत मिलेगी।

कटलर ने कहा कि अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों को कार्यकारी आदेश को लागू करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, खासकर दुनिया भर में लागू शुल्क की अलग-अलग दरों के कारण ऐसा हो सकता है।

ट्रंप को नोबेल मिलना चाहिए : व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया भर में कई संघर्षों को समाप्त कराया है, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का संघर्ष भी शामिल है। लेविट ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ट्रंप ने ''थाईलैंड और कंबोडिया, इजराइल और ईरान, रवांडा और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो तथा मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्ष समाप्त कर दिए हैं।

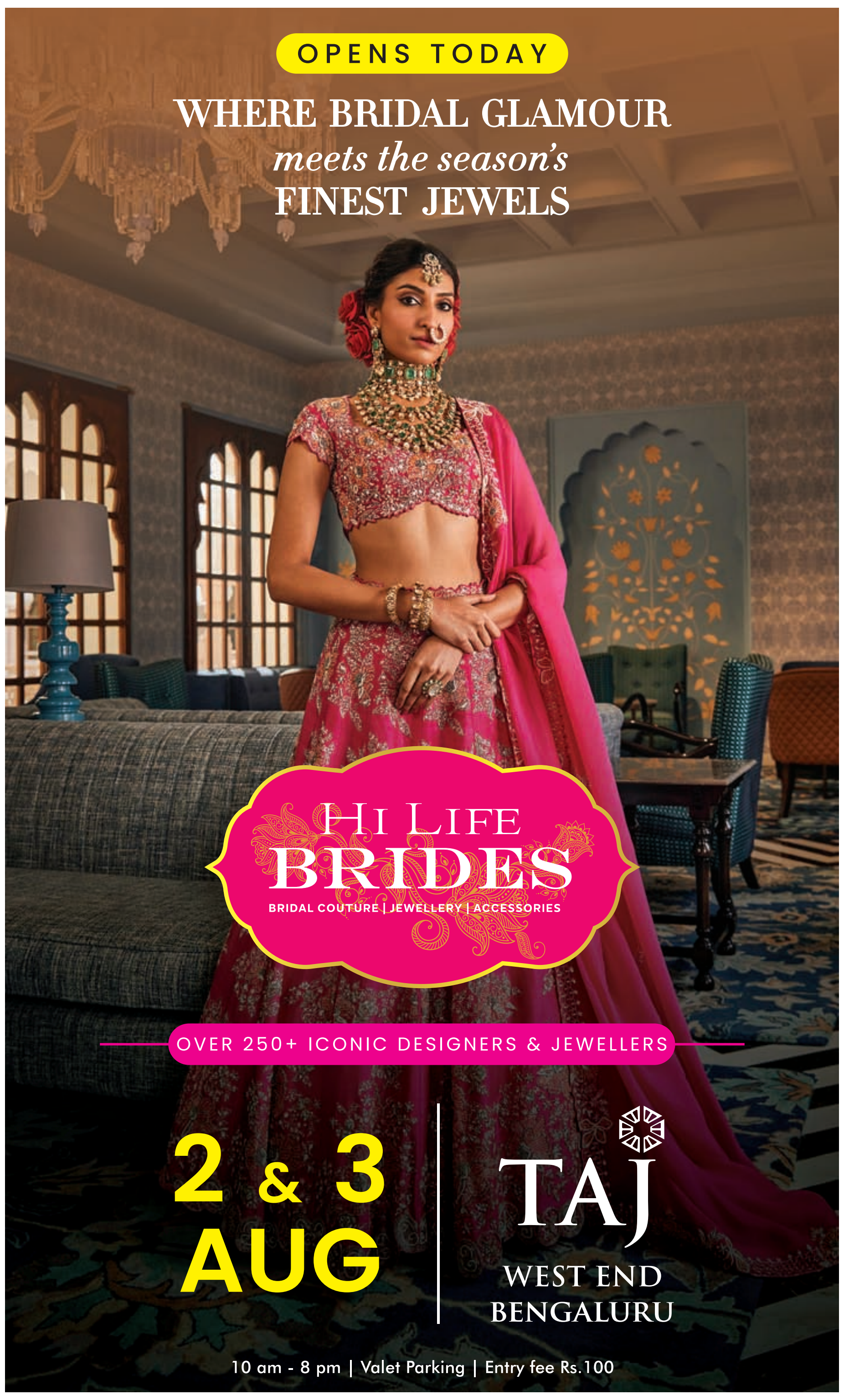

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) के अध्यक्ष सुनील सुराणा, सचिव संजय भीमानी, उपाध्यक्ष रसिक पटेल और सहसचिव डेविस ने एफकेसीसीआई के समन्वय समिति के चेयरमैन पीएच राजपुरोहित के साथ वाणिज्यिक कर विभाग के आयुक्त विपुल बंसल से मुलाकात की तथा एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में कृषि उत्पाद जैसे खेती के पम्प सेट, वायर, केबल, कंट्रोल पैनल और पम्प के स्पेयर पार्ट्स पर कर राहत पर विचार करने का निवेदन किया गया है।

संत दर्शन

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के सदस्यों ने संत दर्शन श्रृंखला के तहत शुक्रवार को राजाजीनगर स्थानक में विराजित साध्वी निर्मलाश्रीजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने साध्वीश्री को संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, सहमंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी सहित सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, ट्रस्ट के मंत्री विनोद नंदावत, पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, पूर्व सहमंत्री अनुराग ललवाणी आदि सदस्य उपस्थित थे।

जीवन में धर्म और संस्कार है तो जीवन में आनंद ही आनंद होगा : साध्वीश्री हर्षपूर्णा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मृत्यु आने वाली है यह निश्चित है। हमें परमात्मा से प्रार्थना करना है कि हमारी मृत्यु महोत्सव बन जाए। हमें हर क्षण प्रतिपल परमात्मा में मग्न रहना चाहिए।

हमें परमात्मा की शरण में हर क्षण रहना है। जैसे परमात्मा राग व द्वेष से मुक्त बनाकर वीतरागी बने, वैसे ही हमें भी राग व द्वेष को दूर करके हमारी आत्मा को अगली यात्रा के लिए तैयार करना है। हमें पर से स्व में आकर हमारी आत्मा का चिंतन करना है। हमें अपनी आत्मा में रहे शुद्ध ज्ञान का उपयोग करके हमारे अपने ज्ञान के पटल को खोलना है। हमें विषय वासना से दूर होकर अपनी आत्मा को निर्मल बनाना चाहिए और हमारे जीवन को साक्षी भाव में लाने के लिए मार्गानुसारी जीवन में प्रवेश करना चाहिए। जीवन में धर्म और संस्कार है तो जीवन में आनंद ही आनंद होगा, अगर यह नहीं है तो जीवन नीरस होगा और आत्मा का कल्याण विरल है। रविवार को गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी के मार्गदर्शन में 'सोशल मीडिया- एक भ्रमजाल' विषय पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किया जाएगा।

जीवन में सम, दम और तितिक्षा होनी चाहिए : साध्वीश्री दिव्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी अणिमाश्रीजी ने कहा कि आज का इन्सान धन, दौलत, रुपए आदि को सम्पत्ति मान रहा है, किंतु ज्ञानी महापुरुषों ने 'सम, दम और तितिक्षा'(सहनशीलता) को सम्पत्ति कहा है। जिसके जीवन में ये तीनों आ जाते हैं, उसके जीवन में सम्पत्ति ही सम्पति है और जहां सम, दम, और तितिक्षा नहीं है, वहां सब विपत्ति ही है। समता, इन्द्रियों का निग्रह और तितिक्षा 'जिस घर में है, उस घर परिवार में स्वर्ग है। साध्वीश्री ने कहा कि 'पाप और सांप' दोनों एक समान है, जिस प्रकार व्यक्ति सांप को घर में नहीं आने देता है, उसी तरह इन्सान के मन में भी पाप नहीं होना चाहिए। जैसे रास्ते से जाते हुए कीचड़ हो तो हम कपड़े को बचाते हैं, वैसे ही साधक को पाप से भी बचकर रहना चाहिए। साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि आत्मा ही दु:ख का कर्त्ता है और सुख का कारण भी आत्मा है। झरोखा प्रकाश के लिए होता है, कचरे के लिए नहीं, इन्द्रियां विकास के लिए है, विकार के लिए नहीं, आत्मा का स्वभाव ऊपर उठने का है, उत्थान करने का है। शरीर तक सीमित नहीं रहे, बल्कि आत्म चिंतिन में लीन रहे। प्रचार मन्त्री सागर बाफना ने बताया कि संघ में तपस्याओं का क्रम जारी है। संघ के मन्त्री पदम चन्द बोहरा ने स्वागत किया।

दूसरों की बुराइयों को नहीं, गुणों को देखना चाहिए : साध्वी मयूरयशाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्री ने धर्म रत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों का बखान किया और कहा कि सत्य दर्शन करने वाला व्यक्ति अच्छा व बुरा दोनों देखता है और वह व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की बुरी बातों को देखकर उसकी निंदा नहीं करता है। स्नेह व दर्शन वाला व्यक्ति जिस पर उसे स्नेह होता है वह उसका कभी बुरा नहीं देखता है, चाहे उसने गलती भी की हो तो भी वह उसकी अच्छाई ही देखता है । व्यक्ति को अपना पर्वत जितना दोष राई जितना और दूसरों का राई समान दोष भी पर्वत जितना लगता है। हमें अगर हमारी बुराइयों को दूर करना है तो निंदक को अपने पास बैठाना होगा, जिससे वह हमारी गलती, हमारा दोष निकाल कर बताए ताकि हम सुधर कर सकें। हमें किसी की बुराई नहीं देखनी, सुननी व बोलनी चाहिए। जो जीवन में बुरा न देखता, सुनता व बोलता है उसका जीवन संत जीवन होता है ।

पुणे: यवत में व्हाट्सएप पोस्ट को लेकर भड़की हिंसा, आगजनी भी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पुणे की दौंड तहसील के यवत में दूसरे समुदाय के युवक द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड किए जाने से गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार दोपहर तोड़फोड़ और आगजनी की। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि एक मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि एक बेकरी को क्षति पहुंचाई गई। उन्होंने बताया कि उग्र लोगों के बड़ी संख्या में सड़क पर उतर जाने के कारण स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। अधिकारियों ने बताया कि गांव में इस समय भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है, जबकि शांति एवं व्यवस्था बहाल हो गई है। पुलिस अधीक्षक (पुणे देहात) संदीप सिंह गिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गांव के बाहर से आये युवक ने सोशल मीडिया मंच 'व्हाट्सएप' पर आपत्तिजनक पोस्ट की थी और उसे हिरासत में ले लिया गया है। गिल ने कहा, सूचना मिलते ही हमने युवक को हिरासत में ले लिया और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई।

निर्मल, निर्दोष और आदर्श संयम की पालक थीं साध्वी सुमतिकंवर : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री इंदुप्रभा जी ने साध्वीश्री सुमतिकंवरजी के 21 वें स्मृति दिवस पर गुणानुवाद करते हुए कहा कि साध्वीश्री ने निर्मल, निर्दोष और आदर्श संयम का पालन करते हुए पंडित मरण को प्राप्त कर मृत्यु को महोत्सव बना लिया था। उनके भीतर उदारता और अनुकंपा जीवंत रहती थी और दूसरों को परेशान देख कर व्यथा दूर करने में लग जाती थीं। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आत्मविजेता ही जिनेन्द्र बन जाते हैं। संसार से युद्ध करना सरल है किंतु स्वयं की विकृतियों से युद्ध करना दुष्कर है। आत्मा से घनघोर युद्ध कर के साधक आत्मा को निर्मल बना लेता है और निर्मल आत्मा ही मोक्षगामी होती है। साधना मार्ग में उपसर्ग आते हैं जो हमारे धैर्य की परीक्षा करते हैं। साध्वीश्री सुमतिकंवर जी ने भी सारे परिषहों को समता भाव से सहन किया और आदर्श संयम जीवन जीया था। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए साध्वीश्री का गुणानुवाद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने तप संपूर्ण कर रहे तपस्वियों का अभिनंदन किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

इच्छाओं पर नियंत्रण करने वाला ही सफलता के सोपान चढ़ता है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर द्वारा संयुक्त रूप से बारह व्रत कार्यशाला का शुभारम्भ अर्हम भवन में साध्वी संयमलता जी के सान्निध्य में किया गया।

साध्वी संयमलता जी ने व्रतों की महत्ता बताते हुए कहा कि व्रत संकल्प शक्ति का विकास करने वाले होते हैं, अपनी इच्छा पर नियंत्रण करने वाला ही सफलता के सोपान चढ़ता है, किसी भी क्षेत्र को लें, चाहे व्यापार व व्यवसाय का उद्योग या राजनीति का, चाहे सामाजिक कार्य क्षेत्र, वही सफल होता है जिसका संकल्प बल मजबूत होता है। व्रत कार्यशाला में साध्वीश्री ने 125 युवाओं को चमड़े के उत्पादों का त्याग करने का संकल्प करवाया। साध्वी रौनक प्रभाजी ने अहिंसा व अणुव्रत की चर्चा की। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा, जिसके भीतर करुणा होती है वही अणुव्रतों का पालन कर सकता है। इस अवसर पर विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष विकास बाँठिया, राजाजीनगर के अध्यक्ष जितेश दक, हनुमंतनगर तेयुप के उपाध्यक्ष देवेन्द्र आंचलिया, महिला मंडल विजयनगर की अध्यक्षा महिमा पटावरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संसार से मनुष्य का उद्धार यानी मोक्ष प्राप्ति धन से नहीं, धर्म से ही होनी है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने भगवान महावीर के उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से कहा कि भाग्य अच्छा है तो भजन करो। समय रहते ही ऐसा करना संभव है। अगर अकल है तो लोगों की मदद करो। धन और धर्म की राशि एक है। लेकिन धर्म से बड़ा कुछ नहीं है। संसार में तो धन जरूरी है लेकिन इतना भी इस धन में मग्न नहीं होना कि धर्म को ही भूल जाओ। संसार से मनुष्य का उद्धार धन से नहीं, धर्म से ही होना है। लेकिन मनुष्य संसार में फंस कर धर्म के बजाय धन को महत्व दे रहा है। धन संसार तक सीमित रहेगा लेकिन धर्म जन्म जन्मांतर तक रहेगा। संतश्री ने कहा कि इस दुनिया का सबसे बलवान चीज समय होती है। एक बार समय गया तो कुछ नहीं कर पाएंगे। सांसारिक मोह माया में फंस कर इस समय को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। अब जागने का समय आ गया है। अगर अब भी नहीं जागे तो जीवन में कभी जाग नहीं पाएंगे। मनुष्य की सोच अब बिल्कुल बदल चुकी है।

जीवन में भोजन नहीं, भजन काम आएगा। ऊपर जाने पर भगवान भजन वाले को ही पूछते हैं। भजन ही आपके जीवन की नैया पार लगाने वाला हैं। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

मन की चंचलता ही दुखों का मूल कारण है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्म कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन को सहज और सम्यक ढंग से जीने की कला है। उन्होंने कहा कि हर क्षण हमारा

आयुष्य घटता जा रहा है, परंतु इच्छाएँ, आकांक्षाएँ, तृष्णाएँ और लालसाएँ निरंतर बढ़ती जा रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है जैसे मन में इच्छाओं की बेल लिपटी हुई हो। मनुष्य को अपने भाग्य में जो लिखा है, वही प्राप्त होता है, फिर भी वह इच्छाओं की पूर्ति में जीवन गंवा देता है। मन की चंचलता ही दुखों का मूल कारण है। जब तक मन स्थिर नहीं होगा, आत्मा को शांति नहीं मिल सकती। ध्यान, स्वाध्याय और तप से मन को नियंत्रित किया जा सकता है। साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि मानव जीवन में अनुशासन के अंतर्गत ब्रह्मचर्य का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। संयमित जीवन में ब्रह्मचर्य को 'महाव्रत' की संज्ञा दी गई है। हर व्यक्ति को अपनी वेशभूषा पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि अशोभनीय वस्त्र मन में विकार उत्पन्न कर सकते हैं और दूसरों के मन में भी विकृत भावनाओं को जन्म दे सकते हैं। धर्म स्थान हो या सार्वजनिक स्थल, हर स्थान पर मर्यादित और शालीन वेशभूषा ही उपयुक्त होती है।

सभा में पीरचंद ओस्तवाल ने 13 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। 20 महिलाओं ने पद्मावती देवी शुक्रवार एकासना तप किया।

संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया तथा मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

नितिन गडकरी ने साफ-साफ बोलने की वकालत की, कहा-

राजनीति झूठ बोलना या चापलूसी करना नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में झूठ बोलना या फिर चापलूसी करना जरूरी होने जैसी धारणाएं सरासर गलत हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं को पूरे विश्वास के साथ सच बोलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार भी उपस्थित थे।

गडकरी ने कहा, यह एक गलत धारणा है कि राजनीति में सिर्फ झूठ बोला जाता है या फिर चापलूसी की जाती है। यहां तक कि शिवसेना के पूर्व प्रमुख दिवंगत बालासाहेब ठाकरे भी अपने भाषणों में सच बोलते थे। वह अपनी बात खुलकर कहते थे। उन्होंने कहा कि हर किसी को सच बोलना सीखना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगर कुछ अच्छा है, तो उसे अच्छा कहना चाहिए और अगर कुछ बुरा है, तो उसे बुरा ही कहना चाहिए। फडणवीस कहते हैं कि राजनीति में कभी-कभी स्पष्ट और सच बोलना संभव नहीं होता। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान, एक रैली को संबोधित करते हुए, मैंने कहा था कि मैं किसी को कोई चीज मुफ्त में नहीं दूंगा और वही करूंगा जो मैं करना चाहता हूं। जाति या समुदाय की आड़ में मेरे पास मत आना। मैंने बस उनसे वोट मांगा और उन्हें आश्वासन दिया कि मैं उनके लिए काम करूंगा। गडकरी ने कहा कि उन्होंने मतदाताओं से यह भी कहा कि वह सभी के लिए काम करेंगे, चाहे वे उन्हें वोट दें या नहीं।

उन्होंने कहा, मेरा अनुभव है कि छोटे लोग भी अच्छी बातों को भांप लेते हैं, इसलिए राजनीतिक नेताओं को सकारात्मक रहना चाहिए तथा हमेशा विश्वास के साथ सच बोलना चाहिए।

अब भी 6,017 करोड़ रुपए मूल्य के 2,000 रुपए के नोट चलन में: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2,000 रुपए के नोट को चलन से हटाये जाने के दो साल से भी अधिक समय बाद 6,017 करोड़ रुपए मूल्य के ये नोट अब भी चलन में हैं। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। दो हजार रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि चलन में 2,000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। यह 31 जुलाई, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 6,017 करोड़ रुपए रह गया है। इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपए के बैंक नोटों का 98.31% वापस आ चुका है। दो हजार रुपए के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से, रिजर्व बैंक के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। लोग देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से 2,000 रुपए के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को भेज रहे हैं।

भारत में दफ्तर वाली नौकरियों की मांग जुलाई में सात प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। कार्यालयों में बैठ कर काम से जुड़ी नौकरियों की मांग जुलाई में सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़ी। इनमें ऐसी नौकरियां शामिल हैं, जिनमें शारीरिक श्रम के मुकाबले बौद्धिक कौशल की अधिक जरूरत होती है। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि की मुख्य वजह होटल जैसे गैर-आईटी क्षेत्र रहे।

शुक्रवार को जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ होटल एवं रेस्तरां क्षेत्र शीर्ष पर रहा। उसके बाद बीमा क्षेत्र (22 प्रतिशत), शिक्षा क्षेत्र (16 प्रतिशत) और तेल एवं गैस क्षेत्र (13 प्रतिशत) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया कि आईटी क्षेत्र में भर्ती पिछले साल की तुलना में स्थिर रही।

सरकार एअर इंडिया को वापस ले: तिवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने शुक्रवार को सरकार से आग्रह किया कि एअर इंडिया को टाटा समूह से वापस लिया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि टाटा समूह ने एयरलाइन को बर्बाद कर दिया है और कभी राष्ट्रीय एयरलाइन रही इस एयरलाइन का निजीकरण एक त्रासदी साबित हुआ है।

चंडीगढ़ से लोकसभा सदस्य तिवारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि ''चाय उगाने वाले'' और ''कार बनाने वाले'' लोग अब एअर इंडिया का संचालन रहे हैं। तिवारी ने कहा, भारत सरकार को एअर इंडिया को टाटा कंपनियों से वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने एयरलाइन को बर्बाद कर दिया है।

टाटा समूह या एअर इंडिया की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा, बिना किसी कारण के उड़ानें रद्द कर दी गईं, उड़ानें विलंबित कर दी गईं।

अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से बचाने की रणनीति पर काम कर रहा वित्त मंत्रालय : दीपम सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दीपम सचिव अरुणीश चावला ने शुक्रवार को कहा कि वित्त मंत्रालय सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की साप्ताहिक पूंजी समीक्षा कर रहा है और ऐसी रणनीतियों पर काम कर रहा है जो भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक जोखिमों से बचा सकें।

निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) का अब कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा है और सरकार को विश्वास है कि वे अपना पूंजीगत व्यय जारी रखेंगे। चावला ने कहा, हम सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की साप्ताहिक आधार पर पूंजी समीक्षा कर रहे हैं और ऐसी रणनीतियों पर काम कर रहे हैं जो हमारी अर्थव्यवस्था को भू-राजनीतिक जोखिमों से बचा सकें।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है, साथ ही रूस के साथ व्यापार को लेकर 'जुर्माना' भी लगाया है। ये शुल्क सात अगस्त से लागू होंगे। शुल्क की घोषणा के बाद से शेयर बाजार में गिरावट जारी है। लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में नुकसान में रहें। इसका कारण व्यापार संबंधी चिंताओं और वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच फार्मा, धातु और आईटी शेयरों में गिरावट है।

गवर्नर ट्रॉफी

बेंगलूरु में शुक्रवार को बेंगलूरु टर्फ क्लब में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने पोज़िटानो पर जीत के लिए जॉकी पी. ट्रेवर को गवर्नर ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर बेंगलूरु टर्फ क्लब लिमिटेड के अध्यक्ष आर. मंजूनाथ रमेश, सीईओ एवं सचिव किरण एमके और अन्य उपस्थित थे।

सरकार सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रख रही, जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करेगी : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार धर्मस्थल में कथित सामूहिक दफन से संबंधित पोस्ट के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी रख रही है और समाज में भावनाएं भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्य सरकार ने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कथित सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक रूप से शवों को दफनाने के दावों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

एक पूर्व सफाईकर्मी ने दावा किया है कि उसने 1995 और 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था और उसे धर्मस्थल में महिलाओं और नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। सफाईकर्मी ने मजिस्ट्रेट को दिए बयान में आरोप लगाया है कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान हैं।

परमेश्वर ने मीडिया से कहा, हम इस पर नजर रख रहे हैं और अगर वे किसी भी तरह से समाज में भावनाएं भड़का रहे हैं तो हम उन्हें रोकने की कोशिश करेंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम द्वेषपूर्ण भाषण से संबंधित मामलों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। हम ऐसी पोस्ट पर नजर रखेंगे जो (समाज पर) गलत प्रभाव डाल सकती हैं। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक पोस्ट के खिलाफ की गई पिछली कार्रवाइयों का हवाला दिया। इस बीच धर्मस्थल मामले की जांच का नेतृत्व कर रहे एसआईटी प्रमुख प्रणव मोहंती ने शुक्रवार को राज्य के गृह मंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्हें बदला जा सकता है, क्योंकि उनका नाम केंद्र सरकार में पदों के लिए विचाराधीन महानिदेशक स्तर के अधिकारियों की सूची में शामिल है। मोहंती वर्तमान में कर्नाटक में पुलिस महानिदेशक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) हैं।

बैठक के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि यह बैठक धर्मस्थल मामले की जांच के संबंध में नहीं थी, क्योंकि इस पर चर्चा करना अनुचित होगा। उन्होंने बताया, केंद्र सरकार में सेवा देने के लिए महानिदेशक स्तर के अधिकारियों की सूची में मोहंती का नाम है, लेकिन उन्हें तुरंत (केंद्र में) कोई पोस्टिंग नहीं दी जाएगी। वह मुझे इसकी जानकारी देने आए थे। साथ ही चूंकि सरकार फर्जी खबरों और ऑनलाइन जुए को लेकर नियम ला रही है – आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख होने के नाते मोहंती आज इस संबंध में बैठक से पहले मुझे कुछ चीजों के बारे में जानकारी देने आए थे।

एसआईटी ने 'धर्मस्थल' क्षेत्र में सामूहिक कब्रों की जांच के तहत सातवें स्थान पर खुदाई शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर नगरी धर्मस्थल में सातवें चिह्नित स्थान पर शुक्रवार को खोदाई शुरू कर दी। यह खोदाई क्षेत्र में सामूहिक कब्रों के आरोपों को लेकर जारी जांच का हिस्सा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले, बृहस्पतिवार को छठे चिह्नित स्थान पर खोदाई के दौरान कंकाल बरामद किए गए थे।

पुलिस के अनुसार, एसआईटी ने खोदाई के लिए श्रमिक और भारी मशीनरी समेत अतिरिक्त कर्मी तैनात कर चिह्नित स्थानों पर खोदाई कार्य तेज कर दिया है। एक पूर्व सफाई कर्मचारी द्वारा गुप्त रूप से की गयी शिकायत के आधार पर खोदाई के लिए कुल 15 स्थानों की पहचान की गयी है। पुलिस ने कहा कि इन स्थानों पर मिले अवशेषों के फोरेंसिक विश्लेषण के आधार पर आगे की खोदाई की जाएगी। मंगलूरु के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने कहा कि मृत्यु का कारण जानने या यह पुष्टि करने के लिए कि क्या दुर्भावनापूर्ण इरादे से शवों को दफनाया गया था, इसके लिए एक पूरे या लगभग पूरे मानव कंकाल की आवश्यकता होगी।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग मिली हड्डियां या आंशिक अवशेष कानूनी निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं दे सकते। आरोपों के जवाब में धर्मस्थल ग्राम पंचायत के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 1995 से अब तक गांव के विभिन्न हिस्सों में 200 से अधिक लावारिस या अज्ञात शव दफनाए गए हैं। कब्रिस्तान के लिए कोई निश्चित जगह नहीं होने के कारण ऐसे शवों को नदी के किनारे, जंगल के किनारे और सरकारी भूमि पर दफनाया जाता था। पुलिस का कहना है कि 'जांच दस्तावेजी सबूतों' और 'जमीनी स्तर की जानकारी' के आधार पर की जा रही है। आगे की कार्रवाई फोरेंसिक विश्लेषण के नतीजों पर निर्भर करेगी। छठे चिह्नित जगह पर मानव कंकाल मिलने के बाद एसआईटी ने खोदाई स्थलों पर निगरानी बढ़ा दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी संभावित साक्ष्य नष्ट न हो या उसके साथ छेड़छाड़ न हो। धर्मस्थल में पिछले दो दशकों में सामूहिक हत्याकांड, दुष्कर्म और शवों को दफनाने के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया है।

शिकायतकर्ता (एक पूर्व सफाईकर्मी जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है) ने दावा किया है कि उसने 1995 और 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था और उसे धर्मस्थल में महिलाओं और नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। बहरहाल, पूर्व सफाई कर्मचारी की पहचान उजागर नहीं की गयी है। उसने आरोप लगाया था कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। सफाईकर्मी ने इस संबंध में मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी दिया है।

जद(एस)के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को विशेष अदालत ने बलात्कार मामले में दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व सांसद और जद (एस) के निलंबित नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत ने उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट शनिवार को सजा की अवधि पर फैसला सुनाएंगे। यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। 2021 में उसके साथ कथित तौर पर दो बार बलात्कार किया गया और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। प्रज्ज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) संरक्षक एच डी देवेगौड़ा का पोता है। ये मामले तब सामने आए जब प्रज्ज्वल रेवन्ना से कथित तौर पर जुड़े अश्लील वीडियो हासन में 26 अप्रैल 2024 को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले प्रसारित हुए थे। एसआईटी ने उसे पिछले साल 31 मई को होलेनरसीपुरा टाउन पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में जर्मनी से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर पहुंचने पर गिरफ्तार किया था।

बेंगलूरु में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में स्कूल के एक छात्र के अपहरण और फिर उसकी हत्या किए जाने के मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने शुक्रवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए कथित रूप से भागने का प्रयास कर रहे गुरुमूर्ति (27) और गोपालकृष्ण (25) ने बिलवरदहल्ली रोड के पास पुलिस दल पर धारदार हथियारों से हमला किया, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में उनके पैरों में गोली मारी। इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। घायल पुलिस कर्मियों और आरोपियों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि आरोपियों ने 13 वर्षीय बच्चे निश्चित के माता-पिता से कथित तौर पर पांच लाख रुपये फिरौती की मांग की थी और इसके बाद बच्चे का गला रेतकर उसे आग के हवाले कर दिया था। पुलिस ने बताया कि 30 जुलाई को निश्चित के माता-पिता ने रात साढ़े 10 बजे हुलीमावु थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा लापता हो गया है। पुलिस के अनुसार, निजी कॉलेज के एक प्रोफेसर (लड़के के पिता) ने शिकायत में कहा कि उनका बेटा शाम पांच बजे साइकिल से ट्यूशन के लिए घर से निकला था, लेकिन रात आठ बजे तक वापस नहीं लौटा। जब उन्होंने उसके ट्यूशन टीचर से पूछताछ की, तो उन्हें बताया गया कि लड़का शाम साढ़े सात बजे वहां से निकल गया था।

बाद में उनके बेटे की साइकिल अरेकेरे में एक पार्क के पास खड़ी मिली। बृहस्पतिवार को लड़के का जला हुआ शव शहर के बाहरी इलाके में बन्नेरघट्टा रोड पर एक सुनसान इलाके में पाया गया। तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को काग्गलीपुरा रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में, जब आरोपियों ने पुलिस उप निरीक्षक अरविंदकुमार पर हमला किया, तो उन्होंने आत्मरक्षा में दो बार गोलियां चलाई जो गुरुमूर्ति के दोनों पैर में लगीं। अधिकारी ने बताया कि गोपालकृष्ण ने पुलिस निरीक्षक कुमारस्वामी बी जी पर खंजर से हमला किया तो आत्मरक्षा में उन्होंने आरोपी के दाहिने पैर पर गोली चला दी।

ब्रिज टू बेंगलूरु

शुक्रवार को शाम नई दिल्ली में आयोजित 'ब्रिज टू बेंगलूरु' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर और अन्य ने भाग लिया।

आधुनिक इतिहास में ट्रंप की तरह अस्थिर और असभ्य कोई भी राष्ट्राध्यक्ष देखने को नहीं मिला : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा ने भारत के लिए की गई टिप्पणी को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शुक्रवार को नई दिल्ली में तीखा हमला बोला और उन्हें आधुनिक इतिहास का सबसे 'अस्थिर, असभ्य और गैरजिम्मेदार' राष्ट्राध्यक्ष बताया। यहां एक बयान में जनता दल - सेक्युलर (जद-एस) नेता ने कहा कि वह भारत और भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रंप की निराधार और 'दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियों' से हैरान हैं। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति पर न केवल भारत के साथ, बल्कि दुनिया के अन्य सभी 'देशों के साथ' बुरा व्यवहार करने का आरोप लगाया। देवेगौड़ा (92) ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि आधुनिक इतिहास में कोई भी अन्य राष्ट्राध्यक्ष इतना अस्थिर, असभ्य और गैर-ज़िम्मेदाराना देखने को मिला है। ट्रंप ने न सिर्फ भारत के साथ, बल्कि दुनिया के अन्य सभी देशों के साथ भी बुरा व्यवहार किया है। उन्होंने अपने पुराने सहयोगियों को भी नहीं बख्शा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत में एक छोटा व्यापारी और एक गरीब किसान भी, जो अपना व्यवसाय बड़ी गरिमा, ईमानदारी और मानवता के साथ करता है, वह ट्रंप को कई सबक सिखा सकता है।'' देवेगौड़ा ने ट्रंप की दादागिरी के खिलाफ दृढ़ता से खड़े रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, ''मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं किया है। इसने ट्रंप की दादागिरी के आगे घुटने नहीं टेके और यह दिखा दिया है कि वह कभी भी धमकियों के आगे नहीं झुकेगा।'' ट्रंप द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहा है और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ट्रंप या तो अंधे हैं या गलत जानकारी से ग्रसित हैं जो हमारी अर्थव्यवस्था को मृत' बता रहे हैं।''

अनुसंधान और नवाचार देश के सतत विकास का मार्ग हैं : राज्यपाल

बेंगलूरु उत्तर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि केवल अनुसंधान के माध्यम से ही नई प्रक्रियाएं, उत्पाद और डिजाइन विकसित किए जा सकते हैं, जो उभरती समस्याओं के लिए अभिनव और टिकाऊ समाधान खोजने में मदद करेंगे। वह कोलार स्थित बेंगलूरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी के पाँचवें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा, आज की दुनिया में तकनीक और नवाचार की अहम भूमिका है। आज के आधुनिक युग में, हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय क्षमताएँ विकसित करना ज़रूरी है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, हमारा देश स्टार्टअप इकोसिस्टम को मज़बूत करके और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर नवाचार की संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। इस संदर्भ में, देश के विकास विमर्श में अनुसंधान और नवाचार और भी महत्वपूर्ण विषय बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान पर ज़ोर देती है। नीति के अनुसार, उच्च शिक्षा संस्थानों को स्टार्टअप, इनक्यूबेशन केंद्रों, प्रौद्योगिकी विकास केंद्रों और उद्योग-अकादमिक संबंधों के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने कहा, वर्तमान में भारत में स्टार्टअप्स की संख्या एक लाख को पार कर गई है और भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला देश है। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद से स्टार्टअप इकाइयों की संख्या में 225 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्तमान में भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कार्यरत हैं। परिणामस्वरूप, देश में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, स्टार्टअप और तकनीक की शक्ति से भरपूर बेंगलूरु जैसे शहर में, युवाओं से नवाचार और सामाजिक उद्यमिता में अग्रणी भूमिका निभाने की अपेक्षा करना स्वाभाविक है। आज़ादी के बाद से, देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है और भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ गति से बढ़ी है। आज, भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने के लिए, हम सभी को और अधिक सक्रिय प्रयास करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, हमारा देश हजारों वर्षों से ज्ञान का दीप जलाता आ रहा है। वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, वास्तु, दर्शन, न्यायशास्त्र, ये हमारी अनमोल धरोहर हैं। नई शिक्षा नीति ने इन्हें पुनः शिक्षा व्यवस्था में स्थान दिया है। युवाओं को आधुनिक संदर्भ में ज्ञान की इन धाराओं को समझना चाहिए, शोध करना चाहिए और उसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना चाहिए। कर्नाटक राज्य का यह विश्वविद्यालय एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान होने के साथ-साथ ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की समृद्ध परंपरा रखता है।

उन्होंने कहा, इस दीक्षांत समारोह में राधाकृष्ण, डॉ. एच.एस. शेट्टी और पिचाली श्रीनिवास को शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मानद उपाधियों से सम्मानित किया गया है।

उन्हें बधाई देते हुए, उन्होंने कामना की कि वे अपने समाज, लोगों और राष्ट्र के हित में काम करते रहें। डिग्री और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई और मुझे विश्वास है कि आपने जो सीखा है, जो ज्ञान अर्जित किया है, वह देश और राज्य की प्रगति को नई गति और ऊँचाई देगा। एक युवा शक्ति के रूप में, हमारी बेटियाँ भी हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रही हैं। नारी शक्ति ने हमेशा राष्ट्रीय शक्ति को जगाने और राष्ट्रीय शक्ति को बढ़ाने का प्रयास किया है। दीक्षांत समारोह में मंत्री एम.सी. सुधाकर, मुख्य अतिथि डॉ. वूडी पी. कृष्णा, कुलपति प्रो. निरंजन और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेल सुरक्षा आयुक्त ने महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अनुबंध पर कर्मचारियों की भर्ती के खिलाफ आगाह किया

मैसूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत । रेल सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण मंडल) ए एम चौधरी ने रेल मंत्रालय को महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्यों के लिए अनुबंध पर कर्मचारियों की भर्ती को लेकर आगाह किया है। चौधरी ने ही 2024 में हुई मैसूरु-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस दुर्घटना को छेड़छाड़ का नतीजा बताया था। उन्होंने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा, महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्यों और प्रणालियों के संचालन व रखरखाव के लिए अनुबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति और उन्हें इन क्षेत्रों में कौशल विकसित करने की अनुमति पर प्राथमिकता के आधार पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। रेल मंत्रालय ने अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में कहा कि नीति के अनुसार अनुबंधित कर्मचारी केवल गैर-महत्वपूर्ण कार्यों में, रेलवे कर्मचारियों के साथ या उनके पर्यवेक्षण में लगाए जाते हैं। पीटीआई-भाषा' ने बुधवार को अपनी खबर में बताया था कि रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की जांच में यह पता चलता है कि बदमाशों ने ट्रैक इंटरलॉकिंग' प्रणाली के घटकों को जबरदस्ती हटा दिया था, जिससे मैसूरु-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस दुर्घटना हुई थी।

चौधरी ने यह भी कहा कि बागमती एक्सप्रेस और खड़ी मालगाड़ी के बीच टक्कर किसी उपकरण/संपत्ति की स्वचालित/अचानक विफलता के कारण नहीं हुई थी बल्कि बदमाशों के ट्रैक इंटरलॉकिंग' प्रणाली में छेड़छाड़ के कारण हुई थी। गौरतलब है कि 11 अक्टूबर 2024 को मैसूरु-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस (12578) रात करीब 8:30 बजे तमिलनाडु के चेन्नई रेल मंडल स्थित कवारैपट्टई रेलवे स्टेशन पर एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी, जिसमें नौ यात्रियों को चोटें आई थीं। महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्यों में अनुबंधित कर्मचारियों को न लगाने की सीआरएस की सिफारिश ने वही चिंता दोहराई है जिसे इंडियन रेलवे सिग्नल एंड टेलिकॉम मेंटेनर्स यूनियन' (आईआरएसटीएमयू) पहले ही उठा चुकी थी। दरअसल, रेल मंत्रालय ने कुछ गैर-महत्वपूर्ण गतिविधियों के निष्पादन हेतु अनुबंधित आधार पर सिग्नलिंग और टेलिकॉम स्टाफ की भर्ती के लिए छह मई को एक परिपत्र जारी किया था।

आईआरएसटीएमयू महासचिव आलोक चंद्र प्रकाश ने तीन जून को रेल मंत्री को एक पत्र लिखकर मांग की थी कि खाली पदों को संविदा नहीं, बल्कि स्थायी कर्मचारियों से भरा जाए, क्योंकि सिग्नलिंग एवं टेलिकॉम विभाग सीधे तौर पर रेलवे और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

प्रकाश ने कहा कि सीआरएस की सिफारिश यात्रियों की सुरक्षा के हित में है। उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि रेल मंत्रालय ने हमारी मांग पर स्थायी भर्ती की घोषणा की, लेकिन संविदा आधार पर प्रायोगिक परियोजना अब भी चल रही है।''

15 हजार मासिक वेतन वाला पूर्व क्लर्क निकला करोड़पति

छापेमारी मिले सोना-चांदी और कई मकान

कोप्पल। कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास लिमिटेड (केआरआईडीएल) के एक पूर्व क्लर्क के पास लोकायुक्त की छापेमारी में करीब 30 करोड़ रुपए की संपत्ति मिलने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई कोप्पल जिले के कलाकप्पा निदागुंडी स्थित उसके निवास और अन्य ठिकानों पर की गई। छापेमारी के दौरान लोकायुक्त अधिकारियों को पता चला कि मात्र 15 हजार रुपए मासिक वेतन पाने वाले इस पूर्व क्लर्क ने 24 मकान, 4 प्लॉट, और 40 एकड़ कृषि भूमि जमा कर रखी थी। ये संपत्तियां न सिर्फ उसके नाम पर, बल्कि उसकी पत्नी और भाई के नाम पर भी पंजीकृत थीं।

इसके अलावा, लोकायुक्त की टीम ने छापेमारी के बाद आरोपी पूर्व क्लर्क के घर से 350 ग्राम सोना, डेढ़ किलो चांदी के आभूषण, दो कारें और दो दोपहिया वाहन भी जब्त किए।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व क्लर्क निदागुंडी और केआरआईडीएल के एक पूर्व इंजीनियर जेड.एम. चिंचोलकर पर 96 सरकारी परियोजनाओं में फर्जी बिल और दस्तावेज तैयार कर 72 करोड़ रुपए से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। इन परियोजनाओं को कभी पूरा ही नहीं किया गया।

लोकायुक्त को मिली शिकायत के आधार पर अदालत से आदेश प्राप्त कर छापेमारी की गई, जिसके बाद यह मामला उजागर हुआ। कोप्पल विधायक के. राघवेंद्र हितनाल ने कहा कि सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है और उचित कार्रवाई के लिए गहन जांच कराएगी।

ईडी ने घर खरीदारों से 'धोखाधड़ी' मामले में बेंगलूरु की कंपनी के खिलाफ छापे मारे

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बेंगलूरु स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ छापे मारे, जिन पर आवासीय परियोजना में फ्लैट बेचने के नाम पर घर खरीदारों से करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बेंगलूरु और मुंबई में 'ओजोन अर्बना डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड' और उसके प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के कम से कम 10 परिसरों पर छापे मारे गए। समूह के मुख्य प्रवर्तक सत्यमूर्ति वासुदेवन हैं।

बेंगलूरु के देवनहल्ली तालुक में ओजोन अर्बना नामक आवासीय परियोजना के संबंध में कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज कई पुलिस प्राथमिकियों का संज्ञान लेने के बाद ईडी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। एकीकृत टाउनशिप परियोजना के तहत फ्लैट 2018 में घर खरीदारों को सौंपे जाने थे। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि 2024 तक केवल 49 प्रतिशत परियोजना ही पूरी हुई थी।

राजस्थान में मानसून मेहरबान, जुलाई में 77 प्रतिशत अधिक बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इस साल मानसून मेहरबान है और लगभग पूरे राज्य में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार जुलाई माह में राज्य में औसत से 77 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राजस्थान में जुलाई माह के दौरान 285 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह दीर्घकालीन औसत (एलपीए) से 77 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले राज्य में जुलाई माह के दौरान सर्वाधिक बारिश 1956 में 308 मिलीमीटर दर्ज की गई थी। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस साल सामान्य से सात दिन पहले 18 जून को राज्य में दस्तक दी थी। उसके बाद से ही राज्य में दो तीन दौर में अच्छी बारिश हो चुकी है।

मौसम विभाग के अनुसार अगस्त महीने में राज्य के दक्षिणी व दक्षिण पश्चिमी भागों में सामान्य से कम बारिश होने तथा शेष अधिकांश भागों में सामान्य बारिश होने की संभावना है। हालांकि आज शुक्रवार को शेखावाटी क्षेत्र व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। वहीं शेष अधिकांश भागों में भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना है।

दो अगस्त को राज्य के अधिकांश भागों में भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना है। हालांकि, उत्तर-पूर्वी राजस्थान के भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में 3 से 6 अगस्त के दौरान मध्यम से भारी बारिश होगी। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे में लगभग पूरे राज्य में बारिश हुई। कई जगह भारी से अति भारी बारिश भी दर्ज की गई। सबसे अधिक 185.0 मिलीमीटर वर्षा तारानगर (चूरू) में हुई।

राजस्थान में 2699 जर्जर भवनों को ढहाया या सील किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में जर्जर सरकारी इमारतों के कारण हो रहे हादसों से उपजी चिंताओं के बीच राजस्थान सरकार ने 224 शहरी स्थानीय निकायों में स्थित 2,699 जर्जर इमारतों को चिह्नित किया है जिन्हें सील या ध्वस्त किया जाएगा। नगरीय विकास विभाग के सचिव रवि जैन ने समस्त नगरीय निकायों के उच्च अधिकारियों को सतर्क रहते हुए त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य जन की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी अपने क्षेत्रों में जाकर नियमित रूप से निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि चिह्नित जर्जर भवनों के सामने एक स्पष्ट सूचना बोर्ड भी लगाए जाएं ताकि आमजन को चेताया जा सके और किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार जैन ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में विशेष रूप से जर्जर भवनों की पहचान एवं उन्हें गिराने के लिए चलाए जा रहे राज्य स्तरीय अभियान की प्रगति की समीक्षा की। जैन ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य के 224 नगरीय निकायों में अब तक कुल 2699 जर्जर भवनों की पहचान की जा चुकी है तथा इन्हें नियमानुसार सील व ध्वस्त करने की कार्यवाही प्रगति पर है।

जैन ने विद्युत तंत्र की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बिजली वितरण कंपनियों के अभियंताओं के साथ समन्वय कर सड़क किनारे ढीले तारों को तुरन्त ठीक किया जाए। जैन ने कहा कि बिजली के खंभों, डीपी, केबल बॉक्स और स्वीच बॉक्स के पास फैले हुए लूज तारों को हटाया जाए, 'स्विच बॉक्स' के टूटे ढक्कनों की तुरंत मरम्मत कराई जाए।

मिनी ट्रक नदी में बहने से दो लोग लापता

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र में शुक्रवार को पार्वती नदी के उफान के कारण रानौली रपट पार करने के दौरान एक मिनी ट्रक के तेज बहाव में बहने से दो लोग बह गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्वती नदी पर पानी रपट से ऊपर बह रहा है। लिहाजा प्रशासन ने उक्त रपट पर आवागमन रोक दिया है। इसके लिये पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया। सुबह उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से आ रहे एक मिनी ट्रक के चालक ने पुलिस दल की नजरों से बचते हुए रपट पार करने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण मिनी ट्रक बह गया। पुलिस ने बताया कि इससे चालक और खलासी ट्रक सहित पानी में डूब गये जबकि ट्रक में सवार एक मजदूर मुकेश को स्थानीय नागरिकों ने बचा लिया। मजदूर के साथ ट्रक में बैठा ठेकेदार रवि किसी तरह पानी के बीच बने एक टापू पर पहुंच गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने तुरंत राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों को मौके पर बुला लिया, जो चालक और खलासी की तलाश में जुटे हैं। टापू पर फंसे रवि को बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। घटना के शिकार सभी आगरा के निवासी बताये गये हैं।

यमुना का जल्द आयेगा पानी और गहलोत को पहनानी पड़ेगी भजनलाल को माला : बेढ़म

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के यमुना जल समझौते पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि जल्द यमुना का पानी शेखावाटी क्षेत्र में आयेगा और इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को माला पहनानी पड़ेगी। बेढ़म ने गुरुवार रात अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि शर्मा ने सकारात्मक कार्य शुरू किया और उन्होंने शेखावाटी क्षेत्र के लिए हरियाणा सरकार के साथ यमुना जल समझौता किया, जिसका एमओयू हो गया है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द यमुना का पानी शेखावाटी क्षेत्र में आएगा तथा गहलोत को शर्मा को माला पहनानी पड़ेगी और जनता इसे देखेगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन ऐसा होगा उस दिन हम भी पूर्व मुख्यमंत्री को एक कप चाय पिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने कहा था कि अगर यमुना का पानी आता है तो उन्हें खुशी होगी और इस पर वह मुख्यमंत्री को माला पहनायेंगे

झालावाड़ में अवैध शराब बनाने के कारखाने का भंडाफोड़

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने झालावाड़ जिले में अवैध शराब बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। यहां से पुलिस को अवैध शराब बनाने की सामग्री का जखीरा मिला है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार झालावाड़ जिले की डग और उन्हेल थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लुहारिया गांव में अवैध देशी शराब बनाने वाले कारखाने का पर्दाफाश किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि लुहारिया में फतेसिंह पुत्र बालूसिंह के खेत में बने मकान में अवैध रूप से शराब बनाए जाने की सूचना मिली थी। इस पर संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को छापा मारा तो वहां अवैध शराब बनाने की पूरी व्यवस्था मिली। पुलिस को मौके से 500 लीटर स्पिरिट केमिकल से भरे दो ड्रम, 6000 खाली पव्वे, शराब पैक करने की मशीन, 3000 स्टीकर और 800 लेबल (ग्लोबल नींबू स्पेशल देशी शराब), यूरिया उर्वरक का कट्टा और एक विद्युत जनरेटर तथा 'ग्लोबल स्पिरिट लिमिटेड', बहरोड़ की एक मोहर भी मिली। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी फतेसिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

आमजन को पसंद आ रहे सहकारी संस्थाओं-समितियों के मिलेट आउटलेट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में सहकारी संस्थाओं एवं सहकारी समितियों के माध्यम से खोले जा रहे मिलेट आउटलेट्स आमजन को खूब पसंद आ रहे हैं। इन आउटलेट्स पर उपलब्ध अन्न (मोटे अनाज) के उत्पादों के प्रति लोगों का खास आकर्षण देखने को मिल रहा है। अल्प अवधि में ही प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य की तुलना में दोगुने से अधिक मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि अन्न उत्पादों की आमजन तक पहुंच बढ़ाने, प्रचलन में लाने तथा सहकारिता एवं राजीविका के स्वयं सहायता समूहों के मिलेट उत्पादों की बिक्री से रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए राज्य भर में ये मिलेट आउटलेट्स खोले जा रहे हैं। विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा सहकार एवं रोजगार उत्सव के दौरान 64 मिलेट आउटलेट्स का शुभारम्भ किया गया था। उन्होंने बताया कि माह सितम्बर, 2025 तक कॉनफेड एवं जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डारों के माध्यम से 34 मिलेट आउटलेट्स खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन इसकी तुलना में जुलाई माह के अंत तक ही 74 आउटलेट्स खोले जा चुके हैं। इनमें से 56 सहकारी उपभोक्ता भण्डार, 4 कॉनफेड, 1 महिला सहकारी उपभोक्ता भण्डार, 12 क्रय-विक्रय सहकारी समिति एवं 1 ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वारा खोले गए है।

श्रीमती राजपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप तथा राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में ये मिलेट आउटलेट्स खोले जा रहे हैं। प्रथम चरण में कॉनफेड एवं जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डारों द्वारा मिलेट आउटलेट्स खोले गये हैं। जबकि, द्वितीय चरण में क्रय-विक्रय सहकारी समितियों, ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं नवीन 8 जिलों में गठित किये जाने वाले जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डारों के माध्यम से अन्न उत्पादों की बिक्री प्रस्तावित है।

इस क्रम में विगत दिनों में ब्यावर क्रय-विक्रय सहकारी समिति, चित्तौड़गढ़ क्रय-विक्रय सहकारी समिति, बड़ी सादड़ी क्रय-विक्रय सहकारी समिति, विकास क्रय-विक्रय सहकारी समिति (कपासन), कुम्हेर क्रय-विक्रय सहकारी समिति, टोंक क्रय-विक्रय सहकारी समिति, किसान-निवाई क्रय-विक्रय सहकारी समिति (निवाई), देवली क्रय-विक्रय सहकारी समिति, उनियारा क्रय-विक्रय सहकारी समिति, टोडारायसिंह क्रय-विक्रय सहकारी समिति, मालपुरा क्रय-विक्रय सहकारी समिति एवं डूंगरपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा मिलेट आउटलेट्स प्रारम्भ किये जा चुके हैं। जबकि, परबतपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति लि. माखुपुरा (अजमेर) द्वारा भी एक मिलेट आउटलेट प्रारम्भ किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि अन्न सदियों से राजस्थान की खाद्य संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। मोटा अनाज (अन्न) जैसे ज्वार, बाजरा आदि राजस्थान जैसे शुष्क एवं अर्ध शुष्क राज्य के लिए उपयुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक फसलें हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया था। इसी के दृष्टिगत राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में अन्न (मिलेट्स) उत्पाद आमजन को आसानी से उपलब्ध करवाने तथा प्रचलन में लाने के लिए अन्न विक्रय हेतु आउटलेट्स खोले जाने की घोषणा की थी, जिसकी अनुपालना में उक्त मिलेट आउटलेट प्रारम्भ किये जा रहे हैं। इन आउटलेट्स पर आमजन को अन्न तथा अन्न से बने उत्पाद उचित दामों पर उपलब्ध हो रहे हैं। सहकारी संस्थाओं के साथ-साथ राजीविका की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित मिलेट्स उत्पादों को भी इन मिलेट विक्रय केन्द्रों पर बिक्री हेतु रखा जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में दिखेगी मारवाड़ की झलक : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह2025 को गरिमामय, भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के उद्देश्य से शुक्रवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में समारोह स्थल बरकतुल्ला खां स्टेडियम का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। संसदीय कार्य मंत्री ने मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओंजैसे विशिष्ट अतिथियों के स्वागत, मंच व बैठक योजना, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, आपातकालीन सेवाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संपूर्ण स्थल की सौंदर्यात्मक साज-सज्जाका सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यवस्था अनुशासित, समन्वित और समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि समारोह की गरिमा और राज्य की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण बनी रहे।

पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस मात्र एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, लोकतांत्रिक परंपरा और वीर बलिदानियों के अद्वितीय योगदान की स्मृति का दिन है।

ऐसे आयोजन में प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्य, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति सम्मान को अनुभव करने का अवसर प्राप्त होता है। पटेल ने यह भी कहा कि इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा, जिसमें मारवाड़ की पारंपरिक आत्मीयता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की विविध रंग में समाहित होंगी। निरीक्षण के दौरान जोधपुर जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दादी की हत्या के मामले में आरोपी पोता गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में 24 वर्षीय एक युवक को अपनी 86 वर्षीय दादी की कथित तौर पर हत्या करने के लिए गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ऑनलाइन गेम खेलने पर दादी की डांट से तंग आकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि आरोपी मनीष चुघ ने 24 जुलाई को अपनी दादी द्रौपदी देवी की तौलिये से गला घोंटकर हत्या कर दी और बाद में इसे लूट का रूप देने की कोशिश की।

एआई के लिए जल्द नीति लाएगी राजस्थान सरकार

जयपुर। राजस्थान सरकार जवाबदेह, नैतिक और समावेशी कृत्रिम मेधा की दिशा में कदम उठाते हुए जल्द ही एक नीति लाएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार जल्द ही 'राजस्थान एआई पॉलिसी 2025' को लागू करने जा रही है। नीति के तीन प्रमुख स्तंभों में पहला, नैतिक और जिम्मेदार कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए सरकारी स्तर पर विशेष प्रयास किया जाना है। इसके साथ ही राज्य में कौशल विकास और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। जबकि नीति का तीसरा प्रमुख स्तंभ मजबूत और व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सूचना प्रौद्योगिकी और संचार के क्षेत्र में नित नए आयाम गढ़ रही है।

अब देश को विदेश नीति में बदलाव के नतीजे पड़ रहे हैं भुगतने : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के जमाने में स्थापित विदेश नीति का अनुसरण नहीं होने के कारण अब इसके नतीजे देश को भुगतने पड़ रहे हैं। गहलोत ने बीकानेर में सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए टैरिफ के मामले में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जगत के अंदर विदेश नीति जो आपकी होती है वो विदेश नीति सरकारें बदलती गईं पर विदेश नीति कभी नहीं बदली, जो पंडित नेहरू के जमाने में विदेश नीति स्थापित हुई थी वो विदेश नीति लगातार रही है देश के अंदर, चाहे सरकार किसी भी पार्टी की बनी हो, चाहे वाजपेयी की सरकार क्यों न बनी हो, मोरारजी भाई देसाई जब बने थे प्रधानमंत्री और मोरारजी देसाई के साथ में अटलबिहारी वाजपेयी बने थे विदेश मंत्री, तब खुला कहा गया था कि हमारी विदेश नीति वही रहेगी जो पंडित नेहरू की चली आ रही है।

उन्होंने कहा नरेन्द्र मोदी के वक्त में जो राइट लेफ्ट हो रहा है उसका नुकसान देश भुगत रहा हैं, तमाम पड़ोसी मुल्कों से हमारी दुश्मनी हो गई, नेपाल, श्रीलंका, बंगलादेश, भूटान, म्यांमार, पड़ोसी हमारे साथ नहीं, दुनिया हमारे साथ नहीं, इंडो पाक ऑपरेशन सिंदूर हुआ तब पाकिस्तान के साथ खुलकर चीन, तुर्की, आर्मेनिया आदि देश खड़े थे। रशिया चुप था तो उनको भी थोड़ा महसूस हुआ होगा कि भारत विदेश नीति में कुछ डायवर्शन हो रहा होगा मेरा अंदाज है। ये नौबत क्यों बनी , अमेरिका तो पता नहीं क्या कर रहा था।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने टैरिफ को लेकर जो बहाना बनाया है अब देखते हैं सात दिन या जो कह रहे हैं कि अभी बातचीत चल रहा है, ऐसा सुना है तो उसके बाद में क्या परिणाम निकलते हैं उस पर निर्भर करेगा। भारत सरकार भी अपनी पॉलिसी बनाएगी नई जहां से ड्यूटी कम होगी उन मुल्कों का सहयोग लेगी, कोई न कोई तरीका निकालेंगे जो कि कम्पनसेट कैसे हो सके, यह भारत सरकार पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि अमरीकी राष्ट्रपति जो हैं चालाकी से बार्गेनिंग करने के लिए भी यह घोषणा कर दी हो और निगोशिएशन अभी एक सप्ताह और चलेगा ऐसा सुना गया है और अल्टीमेटली क्या फैसला होता है उस पर निर्भर करेगा पूरा खेल। उन्होंने कहा कि अमरीका के साथ इतने संबंध सुधरे हैं, इतने लंबे अर्से से और यहां तक पहुंच गए कि अगली सरकार ट्रंप सरकार, कम बात है क्या। लेकिन अब जो स्थिति बनी है ये संबंध अब कहां काम आ रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय जगत के अंदर विदेश नीति जो आपकी होती है वो विदेश नीति सरकारें बदलती गईं पर विदेश नीति कभी नहीं बदली जो पंडित नेहरू के जमाने में विदेश नीति स्थापित हुई थी वो विदेश नीति लगातार रही है देश के अंदर।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम राष्ट्र के समावेशी विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह शुक्रवार को संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ। पटेल ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास और क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने की दिशा में 'आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम' ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आशा, आत्मनिर्भरता और समावेशी प्रगति की नई सोच का परिचायक है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस कार्यक्रम के तहत देशभर के 112 आकांक्षी जिलों और 500 आकांक्षी ब्लॉकों का चयन किया गया है, जिनमें राजस्थान के 5 जिले और 27 ब्लॉक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि राजस्थान इस अभियान का सक्रिय भागीदार बन रहा है और शेरगढ़ ने पश्चिमी जोन में प्रथम स्थान प्राप्त कर राजस्थान का मान बढ़ाया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केन्द्र की एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्टस योजना की तर्ज पर प्रदेश में सबसे पिछड़े 35 ब्लॉक्स में विकास को गति देने के लिए गुरु गोलवलकर एस्पिरेशनल ब्लॉक्स डेवलपमेंट स्कीम का शुभारंभ किया है और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस वर्ष 75 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक इंडिकेटर्स में पिछड़े जिलों को विकास की धारा में जोड़ने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आशान्वित जिला कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। उन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए एस्पिरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिला कलक्टर ने कहा नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में शेरगढ़ ब्लॉक देशभर में 18 वें और जोन- खत में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए शेरगढ़ ब्लॉक को 1 करोड़ 50 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली है।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप सिंह, उपनिदेशक (आईसीडीएस) ओमप्रकाश चौधरी, मुख्य आयोजना अधिकारी मोहनराम पंवार, बीसीएमओ शेरगढ़ डॉ भंवर चौधरी,सीडीपीओ विशनाराम सहित 23 कार्मिकों और फ्रंट लाइन वर्कर्स का सम्मान किया गया।

पानी की तरह बहें, बम की तरह न फटें

राहुल गांधी के 'एटम बम' वाले बयान पर भाजपा का कटाक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे पर कि उनकी पार्टी के पास चुनावी गड़बड़ियों को साबित करने के लिए 'परमाणु बम' जैसा सबूत है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को तंज कसते हुए कहा कि उन्हें बम की तरह फटने के बजाय पानी की तरह बहना चाहिए।

सत्तारूढ़ पार्टी ने निर्वाचन आयोग को निशाना बनाने के लिए अलोकतांत्रिक और अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने के लिए भी राहुल पर तीखा प्रहार किया।

उसने कहा, अगर वे बम धमाका करेंगे, तो हम संविधान को बचाएंगे।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस नेता के उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी के पास निर्वाचन आयोग की ओर से की गई कथित चुनावी गड़बड़ियों के स्पष्ट और निर्णायक सबूत हैं। राहुल ने इन

सबूतों की तुलना 'परमाणु बम' से करते हुए कहा था कि जब यह फटेगा, तो निर्वाचन आयोग के पास छिपने की कोई जगह नहीं बचेगी।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा, क्या राहुल गांधी बम की तरह फटेंगे? आपको क्या लगता है? उनका काम तो फटना है। उनके पास और कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल ऐसी बातें इसलिए करता है, क्योंकि उसे लोकतंत्र में विश्वास नहीं है।

पात्रा ने यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, जरा सोचिए यह कैसी भाषा है : मेरे (राहुल गांधी) पास निर्वाचन आयोग के खिलाफ ('वोट चोरी' में शामिल होने के) सबूतों का 'एटम बम' है! उन्होंने कहा, आप (राहुल गांधी) कहते कि 'मैं निर्वाचन आयोग के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करूंगा' या 'मैं इसके खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करूंगा, लेकिन 'बम फोड़ने की बात?' (राहुल गांधी की) भाषा ही अलोकतांत्रिक और अपमानजनक है। पात्रा ने कहा कि राहुल ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उससे पता चलता है कि ये लोग बम की तरह फटना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम वो लोग हैं, जिनकी लोकतंत्र में आस्था है।

'राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के लिए दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रहे हैं'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश में लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश के तहत निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के लिए खतरनाक व्यवहार करने और दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने का आरोप लगाया। निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए गांधी की वोट चोरी वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता कई चुनाव हारने के बाद चुनाव प्राधिकरण के खिलाफ अभियान चलाकर बचकाना तरीके से काम कर रहे हैं।

संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा, जब वे (कांग्रेस) चुनाव जीतते हैं, तो सब कुछ ठीक रहता है। लेकिन, जब वे चुनाव हार जाते हैं, तो निर्वाचन आयोग दोषी होता है। यह लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश है।

संसद के 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र में इस वर्ष के अंत में होने वाले चुनावों से पहले बिहार में मतदाता सूची के संशोधन पर विपक्ष के विरोध के कारण बार-बार व्यवधान देखा गया।

बिहार पुलिस ने सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

प्रदर्शनकारियों ने यातायात को बाधित करने की भी कोशिश की। हालांकि नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को बाद में रिहा कर दिया गया।

छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में प्रतिभागी स्थानीय युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 90 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर गांधी मैदान के निकट एकत्र हुए। पटना (मध्य) की पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गांधी मैदान के निकट सड़क से हटने से इनकार कर रहे कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

नौकरी के इच्छुक लोगों के बीच अधिवास नीति की मांग लंबे समय से एक मुद्दा रही है। हालांकि, राज्य सरकार ने बार-बार ऐसी किसी नीति से इनकार किया है और कहा है कि ऐसा कोई भी कदम संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध होगा। 'अधिवास नीति' के लिए बढ़ते हंगामे के बीच नीतीश कुमार मंत्रिमंडल ने हाल में आदेश दिया था कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों पर ही लागू होगा।

ग्रामीणों ने फर्जी सतर्कता छापेमारी का पर्दाफाश किया, जबरन वसूली के प्रयास में 4 गिरफ्तार

हाथरस (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के एक गांव के लोगों ने एक फर्जी छापेमारी को नाकाम कर बिजली विभाग की सतर्कता टीम के अधिकारी बनकर आए चार लोगों को पकड़ लिया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह समूह कथित तौर पर बिजली चोरी की जांच की आड़ में स्थानीय लोगों से पैसे वसूल रहा था। यह घटना 30 जुलाई को फरौली गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी सरकारी नंबर प्लेट वाली एक बोलेरो एसयूवी में आए और खुद को एक आधिकारिक बिजली सतर्कता अभियान का हिस्सा बताया। ग्रामीणों ने जब पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा, तो वे भागने लगे, जिससे संदेह और बढ़ गया। सतर्क स्थानीय लोगों ने उनका पीछा किया, उन्हें हिरासत में लिया तथा अधिकारियों को सूचित किया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने चारों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान बाद में हाथरस जिले के सासनी इलाके के निवासियों के रूप में हुई। इनमें वाहन चालक प्रवीण शर्मा भी शामिल था, जिसने एसयूवी राज्य विद्युत विभाग को लीज पर दी थी। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता अधिनियम के तहत जबरन वसूली और छद्मवेश धारण करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

'जनता ने इतना बड़ा अवसर दिया है, नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ'

लोकसभा अध्यक्ष बिरला की विपक्षी सांसदों को नसीहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों को नसीहत देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है, इसे नारेबाजी करके और तख्तियां दिखाकर मत गंवाइए।

मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और आज सदन की कार्यवाही का 10वां दिन है। सदन में इस दौरान केवल दो दिन, मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल निर्बाध तरीके से पूरा चला। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी सांविधिक संकल्प

को मंजूरी के अलावा अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका। शुक्रवार को भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। वे सदन में इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके हंगामे के कारण बैठक कुछ ही मिनट में दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई और प्रश्नकाल नहीं चल सका। बैठक स्थगित करने की घोषणा से पहले अध्यक्ष बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से आग्रह किया, सदन की गरिमा को बनाकर रखिए। प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। आप नारेबाजी और तख्तियों से अन्य सदस्यों का अधिकार नहीं छीन सकते। यह गलत तरीका, गलत आचरण और गलत व्यवहार है। उन्होंने कहा, आप नारेबाजी करके, तख्तियां लहरा कर जनता की अभिव्यक्ति नहीं कर रहे। जनता ने आपको जो इतना बड़ा अवसर दिया है, उसे नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ।

बिरला ने कुछ नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतने वरिष्ठ सदस्य होने के नाते यह तरीका उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर लोकतंत्र को मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न उठाने देने होंगे जिस पर सरकार की जवाबदेही तय होगी।

बिरला ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों से कहा, मेरा रोज आपसे आग्रह रहता है कि सदन की कार्यवाही को चलने दें। सासदों को प्रश्न उठाने दें। लोगों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं पूरी होने दें और देश को आगे बढ़ाने में सहयोग दें। देश में हो रहे परिवर्तन के बारे में यहां अपनी बात रखें।

राज्यसभा में सांसदों को मार्शलों द्वारा रोकना अभूतपूर्वः तृणमूल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मार्शलों द्वारा सांसदों को रोकने की घटना को 'अभूतपूर्व' बताते हुए, तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओब्रायन ने शुक्रवार को राजग सरकार पर सदन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा करने से 'डरने' का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' उनसे अंत तक' लड़ेगा। उन्होंने लिखा, आज राज्यसभा। अभूतपूर्व...। ओब्रायन ने कहा,

मार्शलों (या सीआईएसएफ कर्मियों) ने पहले से ही आसन के पास (वैल में) बैरिकेड लगा दिए। तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और आप सांसदों को आसन के पास जाने से रोक दिया गया। ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

उन्होंने कहा, एसआईआर-वोट चोरी पर चर्चा करने से इतना डर लग रहा है। मोदी-शाह, इंडिया' आपसे अंत तक लड़ेगा... सोमवार को मिलते हैं।

शुक्रवार को दोपहर 12 बजे राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मार्शलों को विपक्ष की सीटों और आसन के बीच के रास्ते को अवरुद्ध करते हुए देखा गया।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए खड़े हो गए। जल्द ही, सांसद आसन की ओर बढ़ने लगे, लेकिन मार्शल उनके रास्ते में आ गए और उन्हें आसन के पास जाने से रोक दिया।

ओब्रायन, द्रमुक के तिरुचि शिवा और आप के संजय सिंह मार्शलों के पास से बलपूर्वक आगे बढ़ाते देखे गए, जिसके बाद कांग्रेस के कई सांसदों सहित कई अन्य सांसद भी आसन के समीप आ गए। सांसदों ने एसआईआर के खिलाफ नारे लगाए और सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने का विरोध किया।

प्रधानमंत्री मोदी आज वाराणसी में 2183.45 करोड़ की 52 योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर आएंगे और यहां 2183.45 करोड़ की 52 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। शुक्रवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि पावन श्रवण माह में रक्षाबंधन पर्व से ठीक पहले प्रधानमंत्री अपनी काशी यात्रा में शनिवार को लगभग 2183.45 करोड़ की 52 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, जिसमे सड़क, स्वास्थ, शिक्षा, खेल, पर्यटन और बुनियादी और विकास की योजनाएं शांमिल हैं। प्रधानमत्री दिव्यांगजनों और वृद्धों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण भी प्रदान करेंगे। इसके अलावा देश के अन्नदाताओं को पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की जाएगी, जिसमें पूरे देश के 9.70 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपए की धनराशि अंतरित होगी। प्रधानमंत्री की एक बड़ी जनसभा सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बनौली (कालिका धाम) गांव में प्रस्तावित है।

खरगे समेत कई विपक्षी नेताओं ने एसआईआर के खिलाफ किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए शुक्रवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर-लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था। उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए।

बाद में खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एसआईआर है लोकतंत्र पर वार, नहीं छीनने देंगे कमजोर तबकों के मतदान का अधिकार। 'इंडिया' (गठबंधन) की लड़ाई जारी है। विपक्षी सांसदों की मांग है कि इस विषय पर संसद में विशेष चर्चा होनी चाहिए।

एसआईआर के बाद बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 65 लाख की कमी आई : निर्वाचन आयोग

पटना/भाषा। चुनावी राज्य बिहार में निर्वाचन आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में 65 लाख से अधिक गणना प्रपत्र शामिल नहीं किए गए हैं, जिससे पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 7.9 करोड़ से घटकर 7.24 करोड़ रह गई है।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, पटना में सबसे ज्यादा 3.95 लाख गणना प्रपत्र को मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया है, जबकि मधुबनी में ऐसे गणना प्रपत्र की संख्या 3.52 लाख, पूर्वी चंपारण में 3.16 लाख और गोपालगंज में 3.10 लाख है। आयोग के अनुसार, एसआईआर की कवायद शुरू होने से पहले बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 7.9 करोड़ बताई गई थी।

हालांकि, उसने बताया कि तब से 22.34 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, 36.28 लाख लोग या तो राज्य से स्थायी रूप से बाहर चले गए हैं या अपने बताए गए पते पर नहीं मिले हैं और 7.01 लाख लोग एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत पाए गए हैं। मसौदा मतदाता सूची ऑनलाइन जारी कर दी गई हैं।

अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर काल्पनिक दुनिया में है मोदी सरकारः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर दिया है लेकिन वह अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर काल्पनिक दुनिया में जी रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप उस वक्त लगाया जब एक दिन पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया था कि अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पिछले एक दशक में, मोदी सरकार द्वारा दिए गए गए पांच झटकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। इसके लिए किसी और को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, नोटबंदी ने हमारी विकास गति को पूरी तरह से बाधित कर दिया और करोड़ों भारतीय नागरिकों की आजीविका को तबाह कर दिया।

रमेश ने यह दावा भी किया, एक बुनियादी रूप से दोषपूर्ण जीएसटी ने देश भर के हज़ारों व्यावसायिक उद्यमों पर कहर बरपाया है, सिवाय उन बड़ी कंपनियों के जो जीएसटी अनुपालन से जुड़ी लागत वहन कर सकती हैं। उनके मुताबिक, चीन से रिकॉर्ड आयात के कारण देश भर में लाखों एमएसएमई बंद हो गए हैं, अकेले गुजरात में स्टेनलेस स्टील उद्योग के लगभग एक तिहाई एमएसएमई ने अपना परिचालन बंद कर दिया है।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के बाद बिहार के लिए मतदाता सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया

पटना/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महीने भर चली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी करने के बाद राज्य के लिए मतदाता सूचियों का मसौदा शुक्रवार को प्रकाशित किया।

मसौदा सूचियों के प्रकाशन के साथ ही ''दावों और आपत्तियों'' की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, जो एक सितंबर तक जारी रहेगी।

कोई संकलित सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है लेकिन मतदाता अपना नाम निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, जून में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले राज्य में 7.93 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे।

अभी यह पता नहीं चला है कि आज प्रकाशित मसौदा सूचियों में कितने मतदाता शामिल हैं।

ईडी ने अमेरिकी नागरिकों को ठग रहे फर्जी कॉल सेंटर के खिलाफ छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उस ''फर्जी'' कॉल सेंटर के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत दिल्ली में छापे मारे, जिस पर ''नकली'' सॉफ्टवेयर की बिक्री का झांसा देकर अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 10 बजे खानपुर में तीन परिसरों पर छापे मारे गए और तलाशी अभी जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के अनुसार की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कुछ लोग एक कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे, जो 'माइक्रोसॉफ्ट विंडोज' जैसे असली सॉफ्टवेयर के नाम पर ''नकली'' सॉफ्टवेयर बेचकर अमेरिका जैसे देशों में नागरिकों को ठग रहे थे।

जसप्रीत बुमराह को टीम से रिलीज किया गया, एशिया कप में खेलने पर संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/नई दिल्ली/भाषा। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला में तीन टेस्ट का कोटा पूरा करने के बाद शुक्रवार को टीम से फारिग (रिलीज) कर दिया गया। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट के हितधारकों ने उनके अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में भागीदारी पर चर्चा शुरू कर दी है।

इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर 31 वर्षीय बुमराह ने तीन मैचों में 119.4 ओवर फेंके और 14 विकेट लिए। बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया, जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से फारिग कर दिया गया। बुमराह ने इस शृंखला में दो बार (हेडिंग्ले में पहले टेस्ट और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट) पांच-पांच विकेट लिए। उन्होंने मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में अपने करियर में पहली बार एक पारी में 100 से अधिक रन दिए। बुमराह के नाम अब 48 टेस्ट में 219 विकेट हैं। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले ही चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने बताया था कि बुमराह अपने कार्यभार प्रबंधन (चोट

और थकान से बचाने के लिए) के तहत पांच में से तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। भारत को अपना अगला अंतरराष्ट्रीय मैच एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में खेलना है। अगर बुमराह इस टूर्नामेंट में खेलते हैं तो यह हैरानी की बात होगी क्योंकि यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट के खत्म होने के एक सप्ताह से भी कम समय के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली टेस्ट शृंखला शुरू हो जाएगी। एशिया कप 29 सितंबर को खत्म होगा और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा। फिर नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच हैं। भारतीय टीम के चयन प्रक्रिया की समझ रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, यह एक मुश्किल फैसला होगा लेकिन बुमराह को टेस्ट क्रिकेट पसंद है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक दांव पर हैं। जहां तक टी20 का सवाल है, वह जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला खेल सकते हैं, जो टी20 वर्ल्ड की तैयारियों के लिए अहम होगा। उन्होंने ने कहा, बुमराह अगर एशिया कप खेलते हैं और मान लीजिए कि भारत फाइनल में पहुंच जाता है तो अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ उनका खेलना काफी मुश्किल होगा। सवाल यह उठता है कि क्या हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ बुमराह की जरूरत है या वह एक महीने के ब्रेक के बाद एशिया कप खेलें और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलें। यह फैसला अजीत अगरकर और गौतम गंभीर को लेना होगा।

चहल ने कहा, मैंने कभी धोखा नहीं दिया, तलाक के बाद आत्महत्या के विचार भी आए थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक के बाद मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ अपने संघर्ष के बारे में खुल कर बात की है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया है कि उन्होंने कभी किसी को धोखा नहीं दिया और जिंदगी के इस उथल-पुथल भरे दौर में उनके मन में आत्महत्या के विचार भी आए थे।

चहल ने राज शामानी पॉडकास्ट पर अपने निजी जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर बात की और कहा कि तलाक का फैसला अचानक नहीं लिया गया था, बल्कि कुछ समय से इस पर विचार किया जा रहा था। उन्होंने कहा, तलाक के बाद मुझे धोखेबाज़ कहा गया। लेकिन मैंने ज़िंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया। मैं बेहद वफ़ादार रहा हूं। शायद मैं दूसरों से ज्यादा वफादार हूं। अपने प्रियजनों के लिए मैंने हमेशा दिल से सोचा है। इस 34 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि तलाक के बाद वह भावनात्मक रूप से टूट चुके थे। चहल ने कहा, मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे। मैं अपनी ज़िंदगी से उब चुका था। मैं दिन में कई बार रोता था और बस दो घंटे सोता था। ऐसा 40 दिन से भी अधिक समय तक चला। मुझे घबराहट और अवसाद के दौरे पड़ते थे। सिर्फ़ मेरे करीबी लोग ही जानते थे कि मैं किस दौर से गुज़र रहा था। चहल ने यह भी बताया कि उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लेने पर विचार किया था क्योंकि मानसिक तनाव के कारण वह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे थे।

सुविचार

मेरी गरिमा पर सवाल उठाने वाले लोग, आज सफलताओं की रोशनी में कहीं खो गए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

न्याय की जीत, बेबुनियाद थ्योरी ध्वस्त

मालेगांव धमाका मामले में विशेष अदालत के फैसले ने 'भगवा आतंकवाद' की बेबुनियाद थ्योरी को ध्वस्त कर दिया है। सभी आरोपियों को बरी करने के अदालत के इस फैसले ने उन नेताओं के दावों को आखिरकार झूठा साबित कर दिया, जो देश के बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने के लिए एक नई लहर चलाना चाहते थे। उस समय कई पत्र-पत्रिकाओं और समाचार चैनलों में 'भगवा आतंकवाद' की जिस तरह चर्चा की गई, उससे निश्चित रूप से बहुसंख्यक समुदाय की भावनाएं आहत हुई थीं। 'भगवा' हमारी आध्यात्मिक परंपराओं, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यह 'वसुधैव कुटुंबकम्' का संदेश देता है। जिन नेताओं ने भगवा को बदनाम करने के लिए नकली थ्योरी गढ़ी, आज उनके पास कोई जवाब नहीं है। जब मीडिया उनसे सवाल पूछ रहा है तो वे बातों की जलेबियां बना रहे हैं। इस मामले में जिन लोगों को आरोपी बनाया गया था, उनके जीवन के अनमोल साल जेल में बीत गए। वे अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अदालत के चक्कर लगाते रहे। उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई, सेहत को नुकसान हुआ, मानसिक पीड़ा हुई। जब किसी व्यक्ति पर ऐसा गंभीर आरोप लग जाता है तो सबसे पहले पड़ोसी, दोस्त और रिश्तेदार मुंह मोड़ते हैं। साफ कह देते हैं कि हमारा उनसे कोई लेना-देना नहीं है। आरोपियों में भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित और मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त) रहे हैं। ले. कर्नल पुरोहित के कई साथी ब्रिगेडियर बन चुके हैं, जबकि वे इस अवधि में पदोन्नति से वंचित रहे। किसी व्यक्ति के लिए यह अनुभव बहुत तकलीफदेह होता है।

मालेगांव की घटना के बाद जब 'भगवा आतंकवाद' का दुष्प्रचार किया गया तो पाकिस्तान ने इसे हाथोंहाथ लिया था। इस घटना के दो महीने बाद मुंबई पर 26/11 हमला हुआ था। पाकिस्तान ने 'भगवा आतंकवाद' की थ्योरी को उससे जोड़ने की कोशिश की थी। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो मिल जाएंगे, जिनमें पाकिस्तानी पत्रकार, नेता, विश्लेषक और सैन्य अधिकारी यह कहते नजर आएंगे कि 26/11 हमले को अंजाम देने वाले सभी आतंकवादी भारत के नागरिक थे। उन्होंने इस आधार पर अजमल क़साब से पाकिस्तान का कोई संबंध न होने की दलील दी थी कि भारत में (तत्कालीन) सत्तारूढ़ दल के कुछ वरिष्ठ नेता 'भगवा आतंकवाद' का जिक्र कर चुके हैं। पाकिस्तानियों को यह कहने का पर्याप्त आधार मिल गया था कि भारतीय सेना के अधिकारी ऐसी घटनाओं में शामिल रहते हैं। सोचिए, इस दुष्प्रचार से देश को कितना नुकसान हुआ था? अब एक वरिष्ठ नेता अपनी सफाई देते फिर रहे हैं कि 'मैंने तो ऐसी कोई थ्योरी नहीं दी थी, हम तो हर तरह के कट्टरपंथ के खिलाफ हैं और आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता।' उन्हें यह दिव्य ज्ञान प्राप्त होने में 17 साल लग गए। आश्चर्य की बात है कि जिस मामले पर उस समय इतना हंगामा हुआ, आरोपियों को देश के दुश्मनों की तरह पेश किया गया, उसमें अधिकारी कोई पुख्ता सबूत ही नहीं ढूंढ़ पाए! वे बम और मोटरसाइकिल का संबंध साबित करने में विफल रहे। उनकी दलीलें अदालत में बेअसर साबित होती गईं। इस केस में कितना दम था, इसका अंदाजा विशेष अदालत के फैसले में की गई इस टिप्पणी से लगाया जा सकता है कि 'आरोपियों के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत मौजूद नहीं हैं तथा अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा है कि विस्फोटक मोटरसाइकिल पर रखा गया था।' ये लोग बेगुनाह हैं तो असली गुनहगार कहां गए? क्या एजेंसियां उन तक नहीं पहुंच पाईं? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब देशवासी जानना चाहते हैं।

ट्वीटर टॉक

मां भारती के अमर सपूत शहीद सरदार उधम सिंह जी को उनके बलिदान दिवस पर शत-शत नमन। आपका अद्वितीय साहस, मातृभूमि के लिए त्याग और वीरता का यह गौरवपूर्ण अध्याय आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की सच्ची राह दिखाता रहेगा।

-वसुंधरा राजे

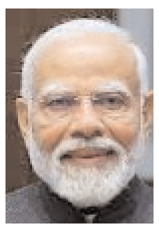

काशी के मेरे परिवारजनों के लिए कल 2 अगस्त का दिन बहुत विशेष है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्पोर्ट्स, टूरिज्म और कनेक्टिविटी से जुड़े कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा। इस अवसर पर पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करने का भी सौभाग्य मिलेगा।

-नरेन्द्र मोदी

रंधावा जी कांग्रेस के बब्बर शेर हैं.. अपराधियों की गीदड़भभकी और फायरिंग से डरेंगे नहीं। पंजाब में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार में गैंगस्टर और अपराधियों का बोलबाला है, यहाँ कानून व्यवस्था पूरी तरह से दम तोड़ चुकी है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

विवेक से संतुलन

एक बार एक युवा शिष्य ने अपने गुरु से पूछा, 'गुरुदेव, जीवन में सही निर्णय कैसे लें? भावनाएं अक्सर भटका देती हैं।' गुरु मुस्कुराए और उसे बांसवाड़ी की ओर ले गए। वहां उन्होंने एक सूखा बांस दिखाया और कहा, 'देखो, यह बांस अब उपयोगी नहीं है। इसे काटकर बांसुरी बनाई जाएगी। लेकिन एक बात सोचोक्या हर बांस से बांसुरी बनती है?' शिष्य ने कहा, 'नहीं गुरुदेव, केवल वह बांस चुना जाता है जो सीधा, खोखला और संतुलित हो।'

गुरु बोले, 'ठीक इसी तरह, जब तुम किसी निर्णय पर पहुंचने की स्थिति में होते हो, तो तुम्हें भीतर से खोखला, यानी पूर्वाग्रहहीन होना चाहिए। सीधा, यानी ईमानदार और संतुलित, यानी भावनाओं और तर्क के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। तभी निर्णय शुद्ध स्वर देगा, ठीक जैसे बांसुरी में सटीक ध्वनि होती है।' गुरु ने कहा, 'भावनाएं महत्वपूर्ण हैं, पर यदि वे निर्णय पर हावी हो जाएं, तो वे उसे विकृत कर सकती हैं। तर्क दिशा देता है, भावना ऊर्जा और दोनों का संतुलन ही सच्चा विवेक है।'

सामयिक

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

अदालत का यह वक्तव्य कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां सर्वे भवन्तु सुखिनः' और अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रुवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दाफाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया? हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने युद्ध नहीं, यज्ञ', हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन परस्त या पराजित नहीं। सत्यमेय जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का।

चिंतन

भारत बना डिजिटल पेमेंट का सिरमौर

बाल मुकुन्द ओझा

हमारा देश डिजिटल क्रांति के नये युग में प्रवेश कर गया है। देश में लोग तेजी से डिजिटल लेनदेन को अपना रहे हैं। लोगों का डिजिटल भुगतान करने में विश्वास बढ़ा है और इसे प्राथमिकता दे रहे हैं। तेजी से बढ़ता डिजिटल लेनदेन बढ़ती हुई खपत को दर्शाता है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा है। देश में डिजिटल पेमेंट का चलन हर साल तेजी से बढ़ रहा है। गांव हो या शहर, आज लोग कैश की बजाय फोन से पेमेंट करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की एक रिपोर्ट में भारत को फास्ट पेमेंट्स का बादशाह बताया गया है। देश में हर महीने 18 अरब से ज्यादा ट्रांजेक्शन और 24 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हो रहा है जो कैशलेस होने की दिशा में एक क्रान्तिकारी कदम है। भारत में डिजिटल पेमेंट की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इसके बाद लगातार देश इस क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाये हुए है। भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वन बन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आज णझख देश के 85 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजेक्शन को हैंडल करता है। इतना ही नहीं, ग्लोबल रियल-टाइम पेमेंट्स में भारत की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत के करीब है। यानी दुनिया का आधा डिजिटल पेमेंट भारत के णझख से हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 491 मिलियन लोग और 65 मिलियन व्यापारी अब णझख का इस्तेमाल कर रहे हैं। 6%5 बैंक इस सिस्टम से जुड़े हैं, जिससे कोई भी, कहीं भी, किसी भी बैंक के जरिए आसानी से पेमेंट कर सकता है। यह कदम णझख को दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बनाती है।

सरकार ने बताया है कि वित्त वर्ष 2020 से लेकर 2025 तक भारत में कुल 65,000 करोड़ से ज्यादा डिजिटल लेनदेन हुए हैं। इन ट्रांजेक्शनों की कुल वैल्यू 12,000 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा रही है। सरकार डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए ठइख और छझउख, फिनटेक कंपनियों, बैंकों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है। छोटे शहरों और गांवों में भी लोग अब डिजिटल पेमेंट को तेजी से अपना रहे हैं। यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों ,चाय पान की दुकानों, फुटकर सब्जी विक्रेताओं और गांव के लोगों को भी डिजिटल पेमेंट में सक्षम बनाया है। इससे नकद लेनदेन कम हुआ है और लोग तेजी से बैंकिंग सिस्टम से जुड़ रहे हैं। डिजिटल पेमेंट अब गांव और दूर-दराज इलाकों तक पहुंच चुका है। इसका लाभ सीधे तौर पर समाज के निचले तबके के लोगों को मिल रहा है। देश में नोटबंदी के बाद डिजिटल पेमेंट में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला। लोग कैश के बजाए डिजिटल मोड में बढ़चढ़ कर पेमेंट करने लगे है । यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा मिलने लगा है। विशेषकर नोटबंदी के बाद भारत में लोगों पर डिजिटल पेमेंट का ऐसा क्रेज चढ़ा दी देश डिजिटल पेमेंट करने वाले देशों की लिस्ट में टॉप पर शामिल हो गया। देश में यूपीआई ट्रांजेक्शन करने वालों का आंकड़ा दिन-ब-दिन तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। आज डिजिटल ट्रांजैक्शन के कई मोड उपलब्ध हैं और इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की तादात में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। आरबीआई के डिजिटल पेमेंट इंडेक्स के मुताबिक सितंबर 2024 तक यह सूचकांक 465.33 तक पहुंच चुका था और मार्च 2025 तक 493.22 पर पहुंच गया, जो देश भर में डिजिटल भुगतान के अपनाने, बुनियादी ढांचे और प्रदर्शन में निरंतर बढ़ोत्तरी को दर्शाता है। यह संकेत दर्शाता है है कि भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से सशक्त हो रहा है।

नजरिया

संपूर्ण मानवता के लिए खतरा है युद्ध

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

आज विश्व के अनेक देश और पृथ्वी परमाणु युद्ध के कगार पर बैठी हुई है। युद्धों के परिणाम से विश्व में आर्थिक विषमताएं,गरीबी,भुखमरी बढ़ती जा रही हैं। ताजा हालातों में इजरायली आक्रमण से गाजा पट्टी पर वहां के बच्चों तथा स्त्रियों के मध्य भुखमरी बढ़ती जा रही है। भोजन के लिए अनाज तथा आटा नहीं है। जख्मी नागरिकों के लिए इलाज हेतु आवश्यक मेडिकल एड और दवाइयां भी उपलब्ध नहीं है। फिलिस्तीन में मानवीय जीवन के लिए अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं । इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का भला नहीं हुआ है यह आने वाली आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब बन चुका है। रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है।ताजा ताजा यूक्रेन ने 100 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इजराइल-हमास युद्ध में ईरान ने अमेरिका तथा इसराइल के विरुद्ध युद्ध छेड़ कर पूरे विश्व के साथ अपने लिए भी बड़ी परेशानी पैदा कर दी थी पर इजराइल में युद्ध रुक जाने से उक्त स्थिति फिलहाल तो टल गई है। ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैं।

परमाणु संपन्न देशों में चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है, इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तब से उनके सनकी फैसलों के कारण पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप एक व्यापारिक पृष्ठभूमि से आए हुए व्यावसायिक बुद्धि के शासक हैं, और वे सदैव अन्य देशों को अपने महंगे महंगे अस्त्र-शस्त्र बेचने के जगत में रहा करते हैं ऐसी स्थिति में अमेरिका कभी नहीं जाएगा कि युद्ध विराम हो क्योंकि अमेरिका तथा अस्त्र-शस्त्र निर्माता देश युद्ध में सदैव अपना आर्थिक लाभ का दृष्टिकोण रखते हैं। यही देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे। इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और विश्व की शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें है। इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं। विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है।

रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस ने स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दी है। उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं। रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि यूक्रेन इतने दिन तक रूस के साथ युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है।

चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है।

इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है। अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। इधर भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही चीन से परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है दूसरी तरफ भारत रूस का अभिन्न मित्र भी है भारत परंपरागत रूप से रूस का समर्थन करते आया है ये अलग बात है कि अमेरिका से उसके संबंध पिछले 10 सालों से काफी मधुर हो गए हैं और वह सदैव शांति का पक्षधर रहा है। भारत ने बुद्धिमत्ता पूर्वक पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर चला कर 3 दिन में आतंकवादियों के अड्डों को तबाह किया और पाकिस्तान के अनुनय विनय पर युद्ध को विराम दे दिया।

इस ऑपरेशन सिंदूर में भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ यह भारत का बुद्धिमत्ता पूर्वक कम था। नवीन परिस्थितियों में रूस यूक्रेन युद्ध चीन ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की दक्षिण कोरिया के ऊपर अनावश्यक दादागिरी और अमेरिकी तथा नैटो देशों का खुलकर चीन रूस तथा उत्तर कोरिया के लिए विरोध पूरे विश्व में परमाणु हेतु की पूरी-पूरी पृष्ठभूमि तथा प्रस्तावना तैयार कर चुके हैं और यह भी संभावना होगी कि पाकिस्तान तथा खाड़ी के देश भी ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित विश्वयुद्ध में शामिल हो सकते हैं। यदि विश्व युद्ध होता है तो यह मानवता तथा पृथ्वी के लिए बड़ा ही विनाशक होगा हम सिर्फ कामना कर सकते हैं की युद्ध नहीं हर तरफ शांति ही शांति हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केआईओसीएल लि. की मंगलूरु इकाई को 'उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मंगलूरु की 76वीं अर्द्धवार्षिक बैठक तथा प्रशस्ति वितरण समारोह का आयोजन 28 जुलाई को यूनियन बैंक, अंचल कार्यालय, सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता नराकास मंगलूरु के अध्यक्ष व अंचल कार्यालय प्रमुख यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कार्यालय प्रमुख राजेन्द्र कुमार द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास द्वारा भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और बैंकों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए केआईओसीएल लिमिटेड की मंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को 'उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार' प्रदान किया गया। बैठक का संचालन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक कृष्णा यादव द्वारा अत्यंत सक्षमता से संपादित किया गया।

बैठक में केआईओसीएल को प्राप्त उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी मंगलूरु पी. पलनी द्वारा प्राप्त किया गया। केआईओसीएल लिमिटेड की पुरस्कार विजेता राजभाषा टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, चेतन कुमार शेट्टी, नोडल अधिकारी (राजभाषा) और सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं आईआर), तथा रूपेश कुमार, राजभाषा समन्वयक और सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) ने सम्मान समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। केआईओसीएल की मंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को प्राप्त उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन सम्मान से शीर्ष प्रबंधन एवं कार्मिकों में सकारात्मक चेतना का प्रसार हुआ।

प्रदर्शन

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी शुक्रवार को पटना में राज्य सरकार की नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की अपनी माँग के समर्थन में विरोध मार्च के दौरान नारे लगाते हुए।

मालेगांव जांच में भागवत को फंसाने की थी कांग्रेस की साजिश, चिदंबरम से पूछताछ होनी चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मालेगांव विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की कांग्रेस की साजिश थी।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि यह तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम द्वारा किया गया राजनीतिक षड्यंत्र था। उन्होंने दावा किया, यह एक ज्ञात साजिश है कि कांग्रेस भागवत को इस मामले में फंसाना चाहती थी, लेकिन कल अदालत के फैसले (जिसमें सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया) ने पार्टी को बेनकाब कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूरी योजना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू धर्म को बदनाम करने की थी। उन्होंने कहा, कल के फैसले के बाद मेरा आकलन है कि अब चिदंबरम से पूछताछ होनी चाहिए।

शर्मा ने कहा कि उनसे (चिदंबरम) पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने हिंदू समाज को आतंक के जाल में फंसाने की कोशिश क्यों की। लोगों को भी उनसे यह सवाल पूछना चाहिए। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे।

विशेष अदालत ने मामले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है।अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकती।

कृत्रिम मेधा से धन, शक्ति का केंद्रीकरण होगा; सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी : निलेकणी

मुंबई/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस के सह-संस्थापक और गैर-कार्यकारी चेयरमैन नंदन निलेकणी ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से धन और शक्ति का केंद्रीकरण कुछ लोगों के पास होगा। उन्होंने साथ ही मानव कल्याण के लिए नए जमाने की तकनीकों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल पर जोर दिया।

निलेकणी ने कहा कि एआई का कुशल उपयोग अरब लोगों की स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की समस्याओं का समाधान कर सकता है। उन्होंने कहा कि वह एक आशावादी व्यक्ति हैं, जो जीवन की वास्तविक समस्याओं से निपटने में तकनीक के सकारात्मक पक्ष को देखना चाहते हैं।

निलेकणि ने बृहस्पतिवार देर शाम एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में कहा, एआई के साथ धन और शक्ति का केंद्रीकरण होगा... हम इससे लड़ नहीं सकते। इसमें शामिल ताकतें हम सभी से कहीं बड़ी हैं। लेकिन अपने दायरे में हमें एक अलग प्रतिमान बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा।

इन्फोसिस के सह-संस्थापक को आधार परियोजना और एकीकृत भुगतान इंटरफेस के जरिये एक अरब से ज्यादा भारतीयों के लिए एक विशिष्ट पहचान बनाने का श्रेय दिया जाता है। निलेकणि ने कहा, भारत में एआई का बहुत अच्छा इस्तेमाल होगा... इस तरह कि यह लोगों के जीवन में सुधार लाए, उन्हें भाषाएं सीखने, बेहतर स्वास्थ्य सेवा और बेहतर शिक्षा हासिल करने में मदद करे।

पश्चिमी दुनिया और चीन एआई में आगे रहने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं, फिर भी निलेकणी ने सुझाव दिया कि भारत को फिलहाल इस महंगी दौड़ से बचना चाहिए और इसके बजाय वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए इनके उपयोग पर ध्यान देना चाहिए।

स्टैंस एंग्लो स्कूल के पूर्व विद्यार्थियों ने 'मुथु विझा' मनाया

कोयंबटूर/दक्षिण भारत। स्टैंस एंग्लो इंडियन हायर सेकंडरी स्कूल के पूर्व विद्यार्थी, जिन्होंने वर्ष 1995 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की थी, ने शुक्रवार को स्कूल ऑडिटोरियम में पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया। इसे 'मुथु विझा' या पर्ल जुबली नाम दिया गया। इसमें शिरकत करने के लिए वे देश के विभिन्न इलाकों और विदेशों से आए थे।

इस अवसर पर उन पूर्व सहपाठियों को याद किया गया, जो अब दुनिया में नहीं हैं। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन, पूर्व शिक्षकों और वर्तमान संकाय सदस्यों ने भी शिरकत की। कई पूर्व शिक्षकों ने पुरानी यादें साझा कीं। इसी तरह, पूर्व विद्यार्थियों ने भावुक होकर अपने स्कूल के दिनों को याद किया और कृतज्ञता जताई। सभी ने उत्साहपूर्वक स्कूल का गीत भी गाया। पूर्व विद्यार्थियों ने अपने पूर्व शिक्षकों को स्मृति चिह्न भेंट किए। कथिरावन, कुमार, कार्तिक, श्रीधर और मोहनसुंदरम ने कोयंबटूर जिले के कनुवाई सरकारी हाई स्कूल के बच्चों की कंप्यूटर की पढ़ाई में मदद के लिए 25 हेडफोन दान किए। पूर्व विद्यार्थियों ने अपने वर्तमान व्यवसायों और परिजन के बारे में भी जानकारी साझा की। वे अपनी पुरानी कक्षाओं में गए और बीते दिनों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन को वापस जीने की इच्छा जताई। कार्यक्रम के आयोजन में इनिता, उमा माहेश्वरी, जयंती, प्रिया, गायत्री, आनंद रोज़ जॉन, कृष्णा, कॉलिन क्रिस्टोफर, कथिरावन, विंस्टन और डेविड अप्पादुरई ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभिनेता हैरिसन फोर्ड ने कहा कि फिल्मों से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं

लॉस एंजिलिस/भाषा। हॉलीवुड अभिनेता हैरिसन फोर्ड को फिल्म उद्योग में लगभग छह दशक हो गए हैं, लेकिन उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और उनका मानना है कि अभिनय में सभी उम्र के लोगों के लिए भूमिकाएं होती हैं। फोर्ड (83) ने 1966 में 'डेड हीट ऑन अ मेरी-गो-राउंड' से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी और उन्होंने 'ब्लेड रनर, द फ्यूजिटिव, स्टार वार्स, इंडियाना जोन्स' और 'अमेरिकन ग्रैफिटी' सहित कई फिल्मों में काम किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी जल्द ही रिटायरमेंट लेने की योजना है, फोर्ड ने कहा, नहीं। उन्होंने मनोरंजन समाचार संस्था 'वैरायटी' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, नहीं।

'किंगडम' की रश्मिका मंदाना ने खुलकर की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंगडम' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे हिंदी में 'साम्राज्य' नाम दिया गया है। फिल्म को दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके मुख्य अभिनेता विजय देवरकोंडा की परफॉर्मेंस की भी सराहना हो रही है। इस बीच फैंस का ध्यान एक और खास चीज ने अपनी ओर खींचा और वह है रश्मिका मंदाना का विजय के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट। रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ''मुझे पता है कि 'किंगडम' आपके लिए और आपके चाहने वालों के लिए कितनी मायने रखती है।'' इसके साथ उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए मनम कोट्टिनम, विजय देवरकोंडा और 'किंगडम' लिखा। विजय ने भी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'मनम कोट्टिनम।' दोनों के बीच की ये छोटी सी चर्चा फैंस को काफी पसंद आई। यह पहली बार नहीं है, जब रश्मिका ने विजय का इस तरह समर्थन किया हो। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के वक्त भी उन्होंने सोशल मीडिया पर उनकी जमकर सराहना की थी। फिल्म के ट्रेलर को पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा था, वाह! क्या ट्रेलर है! गजब! इस शानदार ट्रेलर को देखने के बाद 4 दिन और इंतजार करना पड़ रहा है। ये तो नाइंसाफी है! विजय देवरकोंडा, मैं हमेशा कहती हूं कि आप अलग हो! मैं चाहती हूं कि मैं अपना अभिनय इतना अच्छा कर लूं कि आपके अभिनय के 50% तक पहुंच सकूं। न सिर्फ रश्मिका, बल्कि कई साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों ने भी 'किंगडम' की तारीफ की। विजय ने इस प्यार के जवाब में पोस्ट करते हुए कहा था, 'काश मैं आप सभी को बता पाता कि इस वक्त क्या महसूस कर रहा हूं।' 'किंगडम' का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी ने किया है। इसमें विजय देवरकोंडा एक सीक्रेट मिशन पर निकले भारतीय जासूस 'सूरी' का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में सत्यदेव और भाग्यश्री बोरसे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म 31 जुलाई को तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

सोनाली बेंद्रे ने बताया सफल शादी का राज, बोलीं- सम्मान सबसे जरूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों 'पति-पत्नी और पंगा' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं। सोनाली से पूछा गया, वो आज के यंग कपल्स को क्या सलाह देना चाहेंगी? सोनाली ने कहा, आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं। सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा, मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है। बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है। उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बराबरी का मतलब हर छोटे काम में बराबरी नहीं बल्कि लंबे सफर में एक-दूसरे की इज्जत और परवाह सबसे जरूरी है। यानि शादी में हर चीज बराबर नहीं होती, लेकिन प्यार, सम्मान और सहयोग सबसे अहम होते हैं। सोनाली बेंद्रे मानती हैं कि इंटरनेट अपने साथ दुनिया और रिश्तों में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, अब बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है। पहले एक जेनरेशन बदलने में 2025 साल लगते थे, लेकिन अब ऐसा लगता है कि हर 3 साल में चीजें बदल जाती हैं। सब कुछ एकदम उल्टा हो गया है। इंटरनेट ने लोगों के जीने और जुड़ने के तरीके ही बदल दिए हैं। बता दें, अभिनेत्री कलर्स टीवी के नए शो 'पति, पत्नी और पंगा' में नजर आएंगी। इस शो में सोनाली के साथ कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी भी को-होस्ट के रूप में होंगे।

'धड़क 2' के रिलीज के पहले तृप्ति डिमरी ने बताई हालत

मुंबई । तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक फिल्म 'धड़क 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म के रिलीज से पहले तृप्ति ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए बताया कि इस खास मौके पर उनका दिल खुशी, उत्साह और घबराहट से भरा हुआ है। तृप्ति ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत अहम है और इसे लेकर वह कई तरह की भावनाओं का अनुभव कर रही हैं। तृप्ति ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''अब वक्त करीब है, 'धड़क 2' अब आपके पास आने वाली है और मैं एक साथ बहुत सारी भावनाएं महसूस कर रही हूं... खुशी, उत्साह और घबराहट।'' उन्होंने बताया कि उनका किरदार विधि उनके दिल के बेहद करीब हो गया है।

'चुनाव जीतना मुश्किल है या पत्नी का दिल जीतना', राघव चड्ढा ने दिया जवाब

मुंबई/एजेन्सी

इस हफ्ते 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में ऐसा धमाल देखने को मिला कि दर्शक अपनी हंसी को रोक नहीं पाएंगे। दरअसल, कपिल शर्मा के शो के मंच पर बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और राजनीति के तेजतर्रार नेता राघव चड्ढा की जोड़ी पहुंची और जमकर मस्ती की। उनकी मस्ती को देख लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। इस एपिसोड में दोनों ने अपने अलग-अलग प्रोफेशन की खूबियों और मजेदार पहलुओं को बयां किया। शो की शुरुआत से ही परिणीति और राघव ने अपनी केमिस्ट्री का जादू चलाया। जब कपिल शर्मा ने पूछा कि चुनाव जीतना मुश्किल है या पत्नी का दिल जीतना, तो राघव ने बड़ी ही चालाकी से कहा कि चुनाव तो हर पांच साल में होते हैं, लेकिन पत्नी का दिल तो हर पांच मिनट में जीतना पड़ता है। परिणीति ने भी इस बात को हंसी के साथ स्वीकार किया।

मस्ती यहीं खत्म नहीं हुई। शो में कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा ने अपने फेमस किरदारों डॉनल्ड ड्रंक और किम कोंग के रूप में राघव को टीचर बनाने की कोशिशें कीं। इसी बीच सुनील ग्रोवर ने डायमंड राजा के किरदार में अपना जादू बिखेरा। एक दिलचस्प पल तब आया, जब राघव ने कपिल शर्मा को राजनीति में आने का सुझाव दिया और मजाक में कहा कि उनके पास जोक्स, जुनून और जज्बात तीनों हैं, जो एक नेता बनने के लिए जरूरी हैं। इस ऑफर ने शो में मजेदार तड़का लगाया। परिणीति और राघव ने अपनी शादी के कुछ राज भी खोले, जो शो में हंसी की बहार लेकर आए।

इस बीच, अर्चना पूरन सिंह ने राघव की तारीफ करते हुए पूछा कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड में आने के बारे में सोचा है। इस पर राघव ने बिल्कुल उल्टा कहा, ऐसा है अर्चना जी, हमारा जो प्रोफेशन है, उसमें भी अभिनय हर नेता के अंदर होता है। तो, हमारे काम में एक्टिंग बहुत है, और जब मैं परिणीति की जिंदगी देखता हूं, तो मुझे ये यकीन हो जाता है कि इनके काम में राजनीति बहुत है! परिणीति और राघव के किस्सों से भरा यह एपिसोड दर्शकों का खूब मनोरंजन करेगा। यह एपिसोड 2 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा।

कावेरी कपूर की कविता दर्शाती है जागरूक आवाज़ के उदय का संकेत

मुंबई/एजेन्सी

गायिका, गीतकार, कवयित्री और अभिनेत्रीकावेरी कपूर ने कम उम्र में ही रचनात्मकता के कई रूपों को अपनाया है। कला की विभिन्न विधाओं में उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई है, लेकिन हाल ही में उनकी कविताओं ने विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित किया हैउनकी भावनात्मक परिपक्वता और और गहराई के कारण। अपने शब्दों के माध्यम से कावेरी यह साबित करती हैं कि भावनात्मक समझ उम्र से नहीं, बल्कि भावनाओं को समझने, महसूस करने और उन्हें सच्चाई और स्पष्टता के साथ व्यक्त करने की क्षमता से परिभाषित होती है। उनकी कविताओं में प्रेम, क्षति, आत्म-संदेह, पहचान और मानसिक दृढ़ता जैसे जटिल विषयों की गूढ़ समझ देखने को मिलती है। हर रचना में एक कच्चापन परंतु उद्देश्यपूर्ण भाव है, जो अक्सर उनके व्यक्तिगत अनुभवों से उपजकर सार्वभौमिक भावनाओं की पड़ताल करता है। कम उम्र के बावजूद कावेरी की कविताएँ विभिन्न पीढ़ियों से जुड़ती हैंपाठक उसमें अपनी ही कहानियों की झलक पाते हैं।

उनकी कविताओं को विशिष्ट बनाता है उनका वह कौशल जिससे वे अपनी संवेदनशीलता को ताक़त में बदलती हैं। उनकी रचनाएँ भावनात्मक असहजता से मुँह नहीं मोड़तींबल्कि उसका सामना करती हैं, उसके लिए स्थान बनाती हैं और उसमें दृष्टिकोण तलाशती हैं।

आत्मचिंतन और अपनत्व के इस संतुलन की झलक उनके लेखन की भाषा और शिल्प दोनों में मिलती हैसरल फिर भी प्रभावशाली, खुला फिर भी सोच-समझकर रचा गया। कावेरी की कविताओं का बढ़ता हुआ संग्रह आज युवाओं, रचनात्मकता और भावनात्मक जागरूकता को लेकर चल रही चर्चाओं को भी दिशा दे रहा है। एक ऐसे दौर में जब सोशल मीडिया अक्सर सतही अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है और प्रामाणिकता भी दिखावे में बदल जाती है, उनकी रचनाएँ ईमानदारी और भावनात्मक स्पष्टता के लिए सराही जा रही हैं।

संगीत और अभिनय के साथ-साथ, कावेरी की कविताएँ उनके रचनात्मक व्यक्तित्व का एक नया और सशक्त पक्ष बन रही हैंजो युवाओं को निडर होकर बोलने, गहराई से महसूस करने और ईमानदारी से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। जैसे-जैसे वह रचनात्मकता के नए रास्ते तलाश रही हैं, उनकी लेखनी यह याद दिलाती है कि भावनात्मक गहराई और समझ उम्र से नहीं, अनुभव से आती हैऔर उसे साझा करने के साहस से बंधा होता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

वियतनाम देश को आजादी किसी ने थाली में सजाकर पेश नहीं की थी बल्कि वियतनामी सैनिकों ने पहले 1940 के दशक में फ्रांसीसी उपनिवेश से एवं बाद में अमेरिका जैसे बड़े देश से बहुत बहादुरी और चतुराई भरी रणनीति के तहत साहसिक युद्ध लड़ा और विजय हासिल की।

वियतनामी युद्ध में अमेरिका को मात देने में कु ची सुरंगों ने निभाई अहम भूमिका

आंखों से देखी और कानों से सुनी इन सुरंगों की कहानी रोंगटे खड़े कर देती है

श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

वियतनाम देश को आजादी किसी ने थाली में सजाकर पेश नहीं की थी बल्कि वियतनामी सैनिकों ने पहले 1940 के दशक में फ्रांसीसी उपनिवेश से एवं बाद में अमेरिका जैसे बड़े देश से बहुत बहादुरी और चतुराई भरी रणनीति के तहत साहसिक युद्ध लड़ा और विजय हासिल की। वियतनाम की जनता ने इस दौरान अपने सैनिकों का भरपूर साथ दिया और उन पर पूरा भरोसा किया, भले ही इस स्वतंत्रता के लिए उन्हें कितनी ही यातनाएं झेलनी पड़ी हों।

वियतनाम के सबसे प्रमुख शहर को ची मिन्ह से लगभग 70 किमी दूर कु ची जिले में कु ची सुरंगें स्थित हैं जो करीब 250 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैली हैं। ये सुरंगें पूरे वियतनाम देश के अधिकांश हिस्सों में फैली सुरंगों के नेटवर्क का एक हिस्सा मात्र हैं। यह सच्चाई है कि वियतनाम युद्ध में इन सुरंगों ने सबसे अधिक अहम भूमिका निभाई थी क्योंकि युद्ध के दौरान वियतनामी कांग्रेस के सैनिकों ने दुश्मन से छिपने के लिए इन सुरंगों का इस्तेमाल किया था। दिन के समय सैनिक इन सुरंगों में रहकर रणनीति तैयार करते थे और रात में बाहर निकल कर गौरिल्ला प्रणाली से दुश्मन पर हमला करते थे। इन सुरंगों का उपयोग अस्पताल, राशन व रसद के भंडारण, आपूर्ति मार्ग तथा संचार व्यवस्था के रूप में किया गया जिसका कोई तोड़ अमेरिकी सैनिकों के पास नहीं था। अभी भी वियतनाम के पुनर्मिलन (उत्तर व दक्षिण वियतनाम का एकीकरण) के बाद वियतनामी सरकार ने लगभग 120 किमी कु ची सुरंगों का परिसर संरक्षित कर रखा है जो न केवल वियतनाम के इतिहास में रुचि रखने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है बल्कि उस भयावह दौर के बाद की पीढी को भी तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत कराने एवं वियतनामी सेना के शौर्य व साहस के संबंध में प्रेरित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण स्थान है।

हालांकि इन सुरंगों का निर्माण तो वर्ष 1940 के दशक में फ्रांसीसी उपनिवेश से मुकाबला करने व उन्हें देश से खदेड़ने के लिए किया गया था परंतु इनका मुख्य रूप से उपयोग अमेरिकी सेना से लड़ने के दौरान किया गया। अमेरिका के साथ युद्ध (1955-1975) के दौरान लंबे समय तक तो अमेरिकियों को इन सुरंगों का पता ही नहीं चला क्योंकि किसी भी सेना के जवान महीनों तक जंगलों में बनी सुरंगों में में जिंदा रह सकते हैं यह सोचा भी नहीं जा सकता था लेकिन यह सच्चाई थी कि युद्ध के दौरान कई बार तो वियतनामी सैनिक कई कई दिन तक इन सुरंगों से बाहर भी नहीं निकलते थे। इन सुरंगों में जीव जंतुओं से तथा बरसाती पानी से बचने के पर्याप्त इंतजाम थे। सुरंगों में छिपे सैनिकों को पर्याप्त आक्सीजन मिले इसकी भी समुचित व्यवस्था थी। सुरंगों के उन हिस्सों को पहचानना आसान नहीं था जिनके जरिए अंदर आक्सीजन पहुंचती थी। आज भी जब पर्यटक इन व्यवस्थाओं को देखते हैं तो दांतों तले अंगुली दबाए बिना नहीं रह सकते। आज दो सुरंग प्रदर्शन स्थलों (बेन दिन्ह व बेन डुओक) को युद्ध स्मारक पार्क के रूप में संरक्षित किया गया है जहां कुछ सुरंगों को थोड़ा सा आकार में बड़ा किया गया है ताकि पर्यटक सुरंग के अंदर जाकर तत्कालीन सैनिकों के साहस व रणनीतिक कौशल को जान सकें, महसूस कर सकें। सुरंगों के अंदर अब तो रोशनी भी उपलब्ध है। जब गाइड इन सुरंगों के बारे में जानकारी देता है तो पर्यटकों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। जब अमेरिकी सैनिकों को इन सुरंगों की जानकारी मिली तो उन्होंने इनको बम एवं पानी के जरिए नष्ट करनो का भी प्रयास किया लेकिन उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली। वियतनामी सैनिकों की उस समय कैसी वेशभूषा थी इसकी जानकारी भी पर्यटकों को मिले, इसके लिए तत्कालीन सैनिकों के पुतले निर्मित किए गए हैं जिनके पास खड़े होकर पर्यटक सेल्फी लेना व फोटो खिंचवाना पसंद करते हैं। इसके अलावा दुश्मन को मात देने के लिए कैसे कैसे जाल बिछाए जा सकते हैं और दुश्मन को अपने कब्जे में कैसे लिया जा सकता है अथवा उसे मौत के घाट उतारा जा सकता है, ऐसे ट्रैप आज भी क्रियाशील स्थिति में रखे हुए हैं जिन्हें देखकर वियतनामी सैनिकों की रणनीतिक कुशलता का पता लगता है और अनायास ही मुंह से वाह शब्द निकल ही जाता है। अमेरिकी सैनिकों पर हावी होकर उनसे वियतनामी सैनिकों द्वारा छीने गए कुछ टैंक एवं हथियार भी यहां संरक्षित हैं तो युद्ध में चली मिसाइलों के खोखे भी सिरसुरक्षित रखे गए हैं जो रोमांच पैदा करने वाले हैं।

यहां इसी परिसर में एक शूटिंग रैंज भी है जहां भ्रमणकारी असली हथियारों से शूटिंग का आनंद ले सकते हैं। प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति 90 हजार वियतनामी डोंग है जो भारत के लगभग 300-325 रुपये होता है।यहां से पर्यटक एक अद्भुत रोमांच के साथ अमेरिका द्वारा एक देश को तबाह करने के लिए किए गए प्रयासों के प्रति मन में आक्रोश भी लेकर निकलता है लेकिन साथ ही वियतनामी सैनिकों के साहस की कहानियां भी उसके मानसपटल पर अंकित हो जाती हैं।

वियतनाम जाने के लिए बेंगलूरु से वियत-जेट की सीधी फ्लाइट

दक्षिण-पूर्व एशिया का प्राकृतिक सौंदर्य से भरा-पूरा शानदार देश है वियतनाम। इस देश की राजधानी तो हनोई है लेकिन वाणिज्यिक राजधानी जिस शहर को माना जाता है वह हो ची मिन्ह शहर है। यह वियतनाम का दक्षिणी हिस्सा है जहां अनगिनत पर्यटन स्थल हैं। यहां वुंग ताऊ जैसा समुद्र तटीय मनमोहक कस्बा भी है तो स्टेच्यू आफ दि क्राइस्ट किंग भी स्थित है। अन्य दर्शनीय स्थलों में व्हाइट विला, हो ची मिन्ह शहर में और आसपास में ओपेरा हाउस, कु ची टनल्स, मेकोंग डेल्टा, थोई सन द्वीप, वार मेमोरियल, स्वतंत्रता महल जैसे अनेक पर्यटन स्थल हैं जो हर कोई देखना चाहेगा।

■ वियतनाम जाने के लिए बेंगलूरु से हाल ही में बेहतरीन सुविधा प्रारंभ हुई है। वियतनाम की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी वियत-जेट एयरलाइंस की ओर से सप्ताह में चार सीधी फ्लाइट शुरू की गई हैं। यह विमान कंपनी एयरलाइंस रेटिंग डोट कॉम से 7 स्टार रेटिंग से नवाजी जा चुकी है।

वियतनाम जाने के लिए बेंगलूरु से वियत-जेट की सीधी फ्लाइट

दक्षिण-पूर्व एशिया का प्राकृतिक सौंदर्य से भरा-पूरा शानदार देश है वियतनाम। इस देश की राजधानी तो हनोई है लेकिन वाणिज्यिक राजधानी जिस शहर को माना जाता है वह

हो ची मिन्ह शहर है। यह वियतनाम का दक्षिणी हिस्सा है जहां अनगिनत पर्यटन स्थल हैं। यहां वुंग ताऊ जैसा समुद्र तटीय मनमोहक कस्बा भी है तो स्टेच्यू आफ दि क्राइस्ट किंग भी स्थित है। अन्य दर्शनीय स्थलों में व्हाइट विला, हो ची मिन्ह शहर में और आसपास में ओपेरा हाउस, कु ची टनल्स, मेकोंग डेल्टा, थोई सन द्वीप, वार मेमोरियल, स्वतंत्रता महल जैसे अनेक पर्यटन स्थल हैं जो हर कोई देखना चाहेगा।

■ वियतनाम जाने के लिए बेंगलूरु से हाल ही में बेहतरीन सुविधा प्रारंभ हुई है। वियतनाम की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी वियत-जेट एयरलाइंस की ओर से सप्ताह में चार सीधी फ्लाइट शुरू की गई हैं। यह विमान कंपनी एयरलाइंस रेटिंग डोट कॉम द्वारा 7 स्टार रेटिंग से नवाजी जा चुकी है। यह एजेंसी एयरलाइंस रेटिंग की अधिकृत व प्रतिष्ठित एजेंसी है।

■ बेंगलूरु से हो ची मिन्ह शहर के लिए वियत-जेट की सीधी उड़ानें सोम, बुध, शुक्र व रविवार को उपलब्ध हैं। बेंगलूरु से रात 11.35 बजे रवाना होकर फ्लाइट अगले दिन सुबह सुबह 6 बजे (वियतनामी समय) हो ची मिन्ह सिटी पहुंचती है। इसी प्रकार हो ची मिन्ह से शाम 7.20 बजे (वियतनामी समय) रवाना होकर रात लगभग 10.30 बजे बेंगलूरु पहुंचती है। गौरतलब है कि वियतनामी समय भारत से डेढ घंटे आगे चलता है।

■ वियत-जेट का इकोनॉमी क्लास का किराया जाने व आने का कुल लगभग 20 हजार है जो कि एक देश से दूसरे देश के बीच टू एंड फ्रो यात्रा अर्थात अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए किफायती ही माना जाएगा। वीजा भी आसानी से उपलब्ध है जिसके लिए आनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

■ वियत-जेट इकोनोमी क्लास के अलावा स्काई बास श्रेणी की सेवा भी देती है जिसमें बिजनेस क्लास की तरह चेक-इन में प्राथमिकता तथा विमान के अगले हिस्से में सीटें मिलती हैं। इतना ही नहीं, यहां खान पान की सुविधा भी टिकट में शामिल होती है।

पेपर डे वॉकेथॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने विक्टोरिया रोड स्थित डीपीएच हाई स्कूल में नेशनल पेपर डे वॉकेथॉन का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों व स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी स्कूली बच्चों को पाठ्य सामग्री व अल्पाहार प्रदान किया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, सचिव शिवराम ईवाऊ, चेयरमैन नितेश धनुमल और को-चेयरमैन महावीर जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे ।

अच्छे विचारों और सत्कार्यों से पुण्य का उपार्जन होता है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

सामूहिक तपस्या का आरंभ, आज पार्श्व निर्वाण कल्याणक पर्व

गदग/दक्षिण भारत । स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि पुण्य की शक्ति मनुष्य को पथभ्रष्ट कर सकती है। सत्ता, संपत्ति और सामर्थ्य के दुरुपयोग संसार में हम रोज देख सकते हैं। चंगेजखान, सिकंदर, हिटलर, मुसोलिनी, स्टालिन, गोरी, गजनी, खिलजी, इन सबके पास सत्ता, संपत्ति और सामर्थ्य, सब कुछ था, लेकिन सब स्वाहा हो गया। वक्त पर कुछ भी काम न आ सका। योग्यता व पात्रता तो सद्गुणों से प्राप्त होती है। सतत सत्पुरुषार्थ कर उसका भंडार भरा जा सकता है। पात्रता की निधि नष्ट नहीं होती। वह किसी के दुःख, अन्याय का काम नहीं करती। मनुष्य की पात्रता ही उसकी सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। आपके पास सौ किलो घी खरीदने की सामर्थ्य हो, लेकिन सौ ग्राम घी भी पचाने की शक्ति न हो तो सामर्थ्य और पुण्य का कोई तात्पर्य नहीं है। विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि शक्ति, संपत्ति, सत्ता और सामर्थ्य सब पुण्य से मिलते हैं, लेकिन पुण्य शाश्वत नहीं होता। वह कभी कम तो कभी अधिक हो सकता है। कभी वह समाप्त भी हो सकता है, इसलिए संभलकर ही पुण्य का उपयोग करना चाहिए और उसे बचाने की कोशिश करनी चाहिए। अच्छे विचारों और सत्कार्यों से पुण्य का उपार्जन होता है। पुण्य को पचाना सरल नहीं होता। पुण्य के उदयकाल में मनुष्य का अनुशासित और संयमित रहना बहुत आवश्यक है। जो पुण्य का दुरुपयोग करते हैं, वे उसे नष्ट कर देते हैं। ऐसे लोगों को विपत्ति काल में कोई सहयोग या सहारा नहीं मिलता। पुण्य के समक्ष पात्रता बहुत महत्वपूर्ण होती है। पात्रता पुण्य का सदुपयोग करवाती है। जीवन पात्रता से ही सुखदायी बनाता है। योग्यता या पात्रता संपत्ति की तरह विरासत में नहीं मिलती। उसे धीरे-धीरे मेहनत करके अर्जित करना पड़ता है। सम्यकज्ञान और सद्गुरु का सान्निध्य जीवन की पात्रता के लिए आवश्यक तत्व है। ङ्गङ्गगणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि गदग में तीन सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने तपस्या के लिए आवेदन पत्र भरे हैं। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक पर्व के आयोजन की जानकारी दी ।

श्रुतज्ञान सत्संग से जीवन महक उठता है : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि श्रुत ज्ञान सत्संग से जीवन महक उठता है। एक वह चीज जिसके सुनने मात्र से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है वह ङ्गहै आगमवाणी। आगमवाणी से श्रुत ज्ञान की प्राप्ति और ज्ञान से विज्ञान और क्रमशः आगे बढ़ते हुए संयम के साथ सिद्धि की प्राप्ति हो सकती है। श्रुत ज्ञान की महिमा भी अपरंपार है। तीर्थंकर भगवान की जिनवाणी साधक को संसार सागर से पार कराने वाली है।आवश्यकता बस यही है कि व्यक्ति गुरु का सत्संग समागम प्राप्त कर गुरु वचनों को अपने अन्तर हृदय में धारण करे। ज्ञान का फल विरति है। विद्यावान गुणी व्यक्ति अपने जीवन में कोई उलझन या मुसीबत आए तो भी उन समस्याओं से विचलित नहीं होते हुए शान्त चित्त होकर चिन्तन करता है और उसमें से निकलने का रास्ता निकाल लेता है और समभाव से हर परिस्थिति का धैर्य पूर्वक सामना करता है।ङ्गङ्गसंतश्री ने कहा कि परेशानी से लड़ो मत बल्कि उसका वीरता से सम्मान करो तभी हम उस समस्या से निजात पा सकते हैं और जीवन के हर परिस्थिति में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञान को तीसरा नेत्र कहा गया है। अविद्यावान धर्म की बात सुनता ही नहीं, कभी सुनले तो उस पर अमल नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा कि सच्चा ज्ञान वह है जो मानव को अन्धकार से प्रकाश की ओर व बन्धन से मुक्ति की ओर लेकर जाता है। श्रुत ज्ञान आत्मसंयम की कला सिखाता है। सभी विद्याओं में अध्यात्म विद्याज्ञान को उत्तम व श्रेष्ठ बतलाया गया है जो जीवों को सब बंधनों से मुक्त कर देती है। अतः साधक सच्चा ज्ञान प्राप्त कर उस पर श्रद्धा सहित आचरण करें तो उनके जीवन का भी कल्याण हो सकता है। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने प्रीति मुलगे परिवार के सौजन्य से केंगेरी स्थित गुरुकुल विद्यापीठ में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नाश्ता करवाया। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, सहमंत्री महेश मांडोत, कोषाध्यक्ष विनीत सेठिया, सेवाकार्य प्रभारी हितेश बोथरा आदि ने अन्नदान कार्य में सेवा दी।

जहां गुणों की पूजा होती है, वहां दुर्बलता नहीं होती : आचार्यश्री प्रभाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैसे फूल यह नहीं कहता कि मैं सुगंधित हूं, लेकिन हवा उसकी सुगंध को फैलाती है, वैसे ही मनुष्य की योग्यता, विनम्रता, सेवा भावना, उदारता उसके गुणों को समाज और राष्ट्र में प्रचारित कर देते हैं।

गुणों की पूजा जहां होती है, वहां दुर्बलता को कभी आश्रय नहीं मिलता। गुणी सर्वत्र पूजा व प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। स्वयं के लिए तो संसार में सभी जीते हैं, लेकिन ऐसे गुणी व्यक्ति विरले होते हैं, जो मानवता के लिए जीते हों। मानवता का गुण ऐसा गुण है, जो सारी महानताओं को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। मानवता के अभाव में महानता की कोई परिकल्पना नहीं की जा सकती। सत्ता और समृद्धि जीते-जी सम्मान दिलाती है, तो त्याग और तप मरणोपरांत भी सम्मान दिलाते हैं।

दोनों में एक बडा अंतर यह है कि एक सम्मान में स्वार्थ की दुर्गन्ध होती है, वहीं दूसरे सम्मान में नि:स्वार्थ श्रद्धा की गहरी सुगंध होती है। सम्मान तो दोनों पाते हैं लेकिन उसकी गुणवत्ता में अंतर होता है। व्यक्ति जब तक सत्तासीन है, किसी पद पर है, वह काफी सम्मान पाता है लेकिन जब कुर्सी से उतर जाता है, तो सारा सम्मान बदल जाता है। आचार्यश्री ने कहा कि त्यागी-तपस्वियों के सम्मान में श्रद्धा से सिर झुकता है।

इस सत्य को समझ लेना आज की आवश्यकता है। मानव सभ्यता जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी मानवता की महत्ता भी है। आरंभिक काल से ही ऋषि-मुनि, संत, महापुरुष आदि मानवता के महत्व को रेखांकित करते रहे हैं। अलग-अलग धर्मों में भी मानवता की आवश्यकता ही प्रतिपादित की गई है। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी,साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

बेंगलूरु के श्री भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल संस्था के एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक पशुपालन विभाग की सचिव रोहिणी सिंदूरी से मुलाकात कर अस्पताल निर्माण के लिए सरकार से योगदान प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा सहयोग की अपील की ताकि ज्यादा से ज्यादा असहाय प्राणियों की सेवा व इलाज हो सके। प्रतिनिधि मंडल में संस्था के चेयरमैन नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष रूपचंद कुमट, महामंत्री दिनेश खिंवेसरा, लेडीज विंग के चेयरमैन शारदा चौधरी, मंत्री नंदा मेहता, उतमचंद जैन व बसवराज आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com